षदन्कापाविसं कर्म्माणतंथाक्रमयनके ॥ उपापाध्ययाश्चाबनं ॥ कर्हिर्तंथंवकर्म्मादानस्या। घनिपूकस्य:

पश्चदगवर्पासी। निपुवक्याकूपसज्ञानं पृश्कग॥ नीनसमवंका। कानयनसमखवंबास

फवर्णधवाकृयपृह॥ नकगडुर्वंप्रम ष्ठोदगमूपस्कपयग॥ अनूविन्थदनेकष्ठ

प्रवक्यापाप्रगेवुक्यानिनिकमूपस पादयकाउनरवदन्यस्यानूपानित्रिस्थथम

पंयग॥ नासागमाङ्किथ्याम॥ उपसंपा प्पदग्रपष्क। गावलादादाया॥ कघासम॥ व्यसिम

कस्यविनुर्मिव्हिदयसत्वेसापरठेनम्वा॥ जीवका। पिनकमननत्रकानतान्वामहनदगंप्रवृक्या

पकंसफा॰ हन्यानयम्॥ नानाभाविनंइनद्॰ ॥मय्यंसंध उत्राजयम्॥ पृकं प्रवज्ञापकस्यसंघन
रक्तदानं॥ ह्रन्क ह्मामारे ॥ मामायिम् / स्यीमन्त्रु मुक्ताद्इनदेशक ॥मोविमीन कृत्युयसंका
केपृङ्कमा॥ मामम्लानीकि क्के दस्तु निवा / ॥विशुषमउयसंयाजकां ननमलनेप्रवाजययुवा॥ः
ज्ञानप्राकयुणिद्दि नामानानाम्यस्यप्रथा दृ घध / र्मणाविवानाशनमर्वीवि धस्यतिन्द्विन॥ निर्मितः
यशुकः॥ यान्के विध्वसम्याजाणायकप्रास / कप्राइगीवीघ यापकृतकृगि॥ जन्म्यसान दाषरकी
नाशनी॥ स्नयमंवामितं॥ जोनमह्णमाविः / धवयसम्यदाषनदंबीवाविनीयायीसंघनमाद्विक
र्मशहप्रयनन्तुमनीयामहृं॥नीधिवजांनकाः समा रुं दं प्रवकीसामहृस्कितिक्विधदंचावृनंगनधजनमा।

ऽस्मि० त्वाविन यग ॥ सहंमिकावर्क्षौनी ॥ आर्यन्द्धीत यना वतम्वनी ॥ पिदलु कदानमन्दे ॥ नेकवीवव:
यविक र्म्भक्षी न ॥ नेम न्क्षाय स्याठ्ध्वन का नय म ॥ अनि त्वर्यत्र यृ वत त्रथ्रध्नी हिंसी द्विना
॥ नर्षिं स सम: श्रृग्मनसमम् यनि ष्टु ना ॥ यन मडु: ना ता न रथ्य वा थ्या या थ्यायानु यनि ष्ट्रना
॥ मा रयिरमना थ्वाग्मा दिकानयि ॥ मनसि स्मा वकम डुगा ॥ वा न द व म्ह तगलु यत्रे य घा० लक्षे १०
ख स्मा न न्ह यारवां ॥ अरयक्ष वक्तजल्वा ॥ ड्रय स्लानकें नायन थे न ख्या ॥ यृवी खमन्का ड दकृ सि
द्विनाक्षयाविन्धयानीं ॥ स्राया यदया ङ्कालिका यीं ॥ क्ष्मा नय दनीग्मनन ४ ॥ दस्याइ यर्य स्या: यि ध्मान ॥
कीं ॥ थ्री वा यां वा त्र गा रङ्कुप ध्मानि कीं ॥ नयाड्र कृ व न या धेय क्षा त य म ॥ म्ह्ठ न म स्योय ना ड्री मर्थी ॥ का त्वः

यत्र पाद धावनिको ॥ उपविविधानस्य पूर्वदक्षिण का ॥ कुम्भा कृषि थ नो ॥ उयस्य ययमो ॥ को ॥ न्त्र न्तर्थो ॥
दक्षिण यदव धों ॥ कर्किकाव न्ता ॥ मध्यत निविह्नयाकाय न्न पृथ्या काबयथनेयाव ॥ युक्ता न्तरुम्ह
पनमवा न्दर्थस्य ॥ मलकापनिमा ॥ घिको ॥ स्याय पौर्णतिक स्य नथनं का वाद्य स्त्री ॥ यात्रनि र्मीदना
धियजयपर्णविदा व कृत्यां ल स्या मार्गान मृदवीनय नयनं वा ॥ शान्तकलाकी व न न्त्र दर्शस्यावा
॥ आमयनम दवा ॥ नविघ्न नन्नखण यों प्रतिथ वा का व मानियमः ॥ नायात्रकी युबाजयः
यत्रपसीयादथयवी ॥ नानना धिकनयाः हनावा ॥ शरखरुधाई ताम न्ता नन्क वादह्न सदया
ना ॥ यन्वन्तनुलयस्य ० स्त्री र्द्व वा मद्व या न्मा ॥ ग धक स्या घादि समृ पृथ्य ॐ न स्थिन न्या यां ॥ नहिकृ न्मू द्वि सि

स्थयथन्ती घः॥ कर्म्मी नरलि काम॥ छिड स्येन दमा धम्म उजरुमि थडु यमामे४॥ मा धृयठि का कीर्ति का॥
थिरुसिकामकयन्कि का हि॥ वृकीन्तिया वा॥ ला दस्यय खाहस्यवा॥ मै तन घृष्ठि वाम्हि थमाद
स्याह्लाध्वनन्हनविन्हेनवा॥ उर्वु दानर्छ वगुस्थरह गँन म्हमान्तलियपाकम्यम ध्वस्या॥ घृम्हि
सिन्न ना॥ छेउ मृदा मृन्ह नय स्या॥ कु धमा. न ल्वपाख ल्वँ मामखटका न्हे॥ मा ल्हे छ न्यक स्य॥
वर्षी ४४ द्वि वक्र मप्र क्लि उ ल्वँ न कायान्ह बाल स्यसँ याकहं॥ यवनमस्थ॥ कय दक स्यगय १२
न्वय यछ्य नी॥ नन्ध्वाय रुं१॥ कयवक स्यवा॥ रम नः पवयिन्हा माधर्द दर्न॥ मा धरदर्न
घाठ रौ द कँम॥ भानसमस्य॥ नै नावछ्रु दनम यातयि धृमं॥ यन्हरुखम हि कावदि लधन॥ यन्ह

ध्म कृ न ग्म म य न वा ति फा स्य न्त न म्। उ य ग न ध्म ख ह।। कृ न प त्रि क र्म्यां हू मा वा म्कु न ल खा या म व की न्क
व वि न धृ य क व का यि ध्म का घ्रि ड्र या यीं नि दि न स्या ध्म वि र्ली।। ग्म म यें॰ य ली लें न वा व म्रु ध्म धीय
नें।। सू ही व त स्थाय न य नें।। अ नि ख्व न नीं। सं प ह्म ना वृ हिः॰ नि र्मी घा नि मी घा ना य ह्रीं सा म न्ना क
स्य प्रा ह का ना म न्न का स्य या सं मा क्री नें संक ध्य।। ग्रि ना य स्यि प त्रि य क्र न म ह्व मी व खा। ग स्याय सं
य घ गी क व ध।। स्या ग ना स्या प्र स्य व कृ ही।। उ व ना ग द न्त क वी व न वें ग स्य हा वा व घ ध्म दि ना
।। ना य सं य न प्रु कृ वृ कृ म। घि वा द ग।। ना व दिः॰ सी मीं प्रु ख्व थ न।। द त ना य वि वा व न न म का म न
स्य य य य ह ध्म हि मू थ प्रु ग्र। दि जा ॐ ति।। न ग्र। दि घ नि ध्य या ना वा व थ न।। ना य स स्य न्न मा ड्र य ना वा व य ग।।

रुदी गाना ॥ सा कृ ठाको निः छि नीयनप्र वाहिः॥ प्रवुञि न वदत्रयाव खुमन्नि गीः॥ नुम्नानीस्तुवमावा निहसघु
यवीवना ॥ ङ्यम्ह यकास स्यास्ता वपदी वना न्ही नुगाव ता ङरहावस्कु स्यसींघ नःथावत स्याक्र नस्व यवि
स्ताहाः॥ ञ्जूसत्वतवनवृस्ठ यकास्त माथायथ गा॥ ञ्जूसयश्ठो स्ताधिक पदी वना ॥ ञुरा व वोह्नि कमाभवी
वगमा गायाने वा स्कृ ङ्रा वायध्यादि कावाने नमुह्नि ध्वी कार्यृःसीाघयाग ॥ जुरावस्य वीदि कागः
दृश्य न्त्व मावामा स्तुस्य गनाम्ह ध्योस्त मिवि हुस्यो व ॥ नोयस्वय कनली गीतिहु गाना स्याम स्यो धः
भीता ह्मीवि तामस्य गा ना धवन्तु ययावि गविधवयथगुन नावव दज ॥ नेनन्हता नामि रीघयग
सीधि कादनम सोमवनाभा की यीभय नासनाद्रव्याय योकृति कनिवभधमा। जुर्या ञनसयन्त पूर्वीवामो २५

थेअन॥ यन्न वास्य दवाह्य पदि स्य दस्यात॥ मत्र कार्यन्नैव त॥ कृ गस्तं प्र आनीतन्मू गवीव नाहीं धवनस्यु॥
संघस्यागस्तु विनष्टस्त्रिया भयू वींगस ८ स्या त॥ गमनेविते भिन्नमयीकंग॥ गर्यानमनु निगीमेया
३ वींग त्वापयामा नैं वाखुवेश द्या नेया र्हं॥ ३ न ध्व न्यायागमययाव् गस्तु विन्नत्रु गोह्र मी स्य
वैप्रा यू ८॥ पाश्चदक दान वगगस्व स्यवसा नायासि वगका न८॥ अस्त तप्राय वे अ स्योस नेस न्व
नास्तेन्निवशृतायां वादिअयुत्य वे अत॥ दु शावृ लदुर्लिवसुगायीवासीह्र वारवमन योर्नि मिर्दु
मस्थिकृवत॥ अयुतिवे ध्यानन्के वहकार्य त॥ अस्तम्यक्षीद्यायीं॥ नेनास्तं नायययन्नवान॥ यमेवा।
विशानानद्धायावृर्हिस्तुह्नह्मुअह्लयन्निपृद्वागव॥ आगन्हुकाष्ट्रपत्य वेश्नावासिकानाभा वाद्वयंह्न यनारवं॥

न स्या॥ नप्रख्वम यार्थरिलि॥४॥ उ स्थानुंगु थाम्या पाख्व॥ अनपा ध्यायक मायाँ गघ नःअनयसम्यम्ब धस्या॥ नाअ
नानस्याँदि कुल्ँ॥ निनेयु स्यवु कानें॥ नानें सर्कामा नह्राव ब्रे॥ नसघ स्याम याते॥ नाम्मदिकमी॰
द्विकधऊ॥ ननदुकधि यगपु स्तिनीमु ननीमिस्थ तिपयँ यानस्थापमावु ना... कपका स्या॥ इ
मुमा मान्नुकम पूर्वयवि मार्या॥ अया ङ्कुया मुपा ध्यायस्व॥ अनजाथिकी स्याव्र जन॥ खमि फ्र नर्यां १२
मभाधाने॥ नयूब्र साकृमि स्वीम्रि यान्वस मिल्ववपूवय मोद्यु ऊँ नान्को नयु का बःश्रा॥ क्रि पाल
गस्यदस्लृ हिम्भाँ दिना॥ याप ल्लक्ष सारिब्र कल्य हीया न्कयाऊ॥४॥ नकनदवसम दूल्यखयमस्र धानि
वाँ॥ हिनागू ल्ययथा॥ कर्वदिद्वि वुऊ षदस्तसिना नेगुलिपत्र स्कनफल्ल किस्थिलविधा मिशन्मिलि गहोस्कमा भीलि

क २

गाशा का ष्कि शाल ला जु दष्ठु विवा ष्क कयी नावदा रं न का मा शीक कृक कू यि कुस्र लवं क्त कु नी म लप्र गिस्त न्म स्या [illegible] क

कादस्कयाद नील क ह्रादस्क [illegible] भष्य म्हगम

विकाना ग्ला न न व ग ब यो ॥ वी न ल दस्था अत्र

थानत्ता थाव न षु पि र ल्वें ॥ नाम न्न ष्या गानि कथा

स्यात्तयि ॥ न न ग क्ष ल्वेमा र घ गृ का दोन ळ ॥ दख

पादा क्ष पगनी पृ ल्क त्य ली नायां या वि [illegible] ॥ प्रस्ता

य संपाद न क लं ॥ श्री साग व न्वं सी क स्कि ॥ पृ द्ध यार्य पुव का व स्कू गर्मस माफ [illegible] पव धा न स्कु ॥

क्ष दिदीघ्यवह्र ली व्य गाल क [illegible] लया व थष्टि न्न स्व श्वाना ॥ वा

व नि यि र व यि गा गय त्व न्न ह्रू यीं ना जा ॥ य नि गृ ली था न त्वस्र न

था नाग ग्रा न क यो रघा नै ॥ [illegible] का स्मा स ग या ॥ यानि दृक्त बु क्र नाः

क लंमवृक्ष वर्ष लखा दयणा न प ना जि म वे ॥ श्रु त्व पुव क्ष पर्स्त

ध न स व ग वा डि क स था च नि म व यीं ॥ आ वा सि का नास्क

॥ न न स्व ष्ण गि क्र

म क्षो ज्ञानयुक्तश्चैं ॥ दक्ष काष्ठ विसर्जनं ॥ तापविवार्द्धविसर्थसेव्याहि वुन्दनम् ॥ जुकान्दुयस्त्र सामान्यर्थ्या
कविनाव गाम्नं ॥ याजुवाद व कर्म्म
हौम्लो नायस्कन कोष्ठ यपाजविनादन्ते याप कर्म्म
द्दष्टि गन्धप्राणिनिः तङ्गीवृमोन्मक्ष
नायथेला लावणा हकृयीका व यस स जि ॥ प्रति धानु
काम लावजस्वे पत्यदप्राणिध्विजन्मन
कृ याद्दिमि ॥ कर्णवृत्तानथदिमि ॥ यविवासम्नलयनि
मातानानाथ्य मूलमानानाथा वहलारिव
लिदथी बाच्नदिमि ॥ साध्यनदस्रीकृयाद्द कवली
कनैव नानद हवर्षेऽयमस्वैयपाया ध्याययचानिछिन्न मूर्ध्वासर्वकृयाकृ ॥ नास्मस्म्बिग ८ फनाचिदन्त कनत्व४
सानि जिना ?

ख्यपनाखमस्यकन्दपार्ध्वेदायागना लाकावली॥ अग्निदानलस्थनन्दमादिक्षकालवदानं॥ अनिर्वानायनी
वेकनं॥ गदरवमायस्ता म्नि ऊक्षमवर्णं॥ ज लह्यमावप्रानायप्रवणपानिदवलं॥ मम्निजात्वन्यलय
तकनी॥ पाद्मपालश्रद्भिगानानामद्वीप्र नय॥ दीर्गध्वनिविद्धुकयद्वयदानं॥ चिकनावाशुक्रया
द्रिपवलप्रागिविभानं॥ आमलादाशुद याबा॥ कद्रपिशुकाजातनं॥ ऊलेन्दमनावृवेलामाशुदे
नीयाके॥ कनाउत्वनन्तनवनवा॥ कशुय नात्वमायलदविपाकवलं॥ प्रलादानिव धस्तप्रकमा
त्यी॥ स्थवनभयविवाविदामशुद॥ नि मोदिवर्तलिपबुवमस्यामाग्निवात्यपावली॥ अनानग्र
मालावाकृदन्यपावलीं॥ अनाभायस्तपयशीवनप्रामिदृवादवद्दगाराजाकावली॥ उदकजनस्यान्यमाह्र॥ जिद्ध

नागस्य इत्यायांजलत्या बाबुनं ॥ श्रीगनस्य गदः स्काद्ययि ॥ पाशी ॥ मयद कसाष्टुपविपुकपस्य नाय स्व
नं ॥ द्वास गा वग प्र नाग क्रि का काव णं ॥ नेष्ठ पानं नग्रस्य पाणि हस्तान मरूग मर्ग्रद कूणा निरूनारदे
यरूणा ॥ दानपाल स्यै गद वै स्थ पन ॥ नष वेशाख कुरि द्राष्ठ ॥ नाम्र वस्यान्नग्रवने दयाग ॥ गोदै विल
वक ॥ वालि गा वग्र यानिक र्म क वनं ॥ न वेदेव पनं ॥ दीपनकराह नग लदक पाक्ष ॥ मयमृत्
रू पालिया स्य पस्क नशाष्टुप्रवकूलाहर्लन निस्तनु त्वपनर्म मकूनम नाव स्कृव स्मादं ४ ॥ भषाय
व त्या अधा ॥ यो ० श्रु कि कया त्वथि रूगी कुत्री निरू पाय थम्भनं ॥ मई वृप ज त्तु विधि ४ मवे मयक
र्वमुफकला चिर्त का थी ग ४ ॥ स्वया ग का त्रुय चि ग व ॥ या सादिक ४ ॥ सर्व वृन य ४ ॥ मरण नन ॥ नाप

निर्सीदनं॥ यिलुयानिक ष्वडाव कस्याद्वस्तयुयाजनीय मा॥ यद्भिस्राव नस्यायि॥ मायिचत्युष्व॥ स्ताक्षचदतिनूवि
र्धनं निवस्तस्यवङ॥ विषमादीपवगागत्रि॥ पृष्ठीमस्यरास्मीयरि मन्नने॥ जमस्तचदागस्यापदलनं॥ वन
गनस्यायनागर्नं॥ मापाक्ष्मीन्तद्वस्याम॥ उदकस्थनकपवनं॥ फानावनं॥ गुरू माफादि निर्मादन
॥ स्यायनमस्य॥ द्वेस्याश्विवन्दनायामाषाद्रका दकाधूपनय॥ यादष्वशालनगमा त्वस्थनं॥ कायनास्तनपक्ष १७
यनं॥ प्राणि निवसनाप्दनं॥ निवमनग्रस्तनं॥ पीदादकाथिस्थनकणिक्षोवनासनं॥ मयानल्याखनं॥ जूम्भः
भीकमूखावकानकस्वनगृतीमस्तम्भार्कनीर्ण इह्रान्याम्भूर्वक्रयाम॥ गतीमस्तवीफक्षस्तम्भर्गदीयवमनक
वन॥ कत्यवीकनलात्यहदिमापादनपृष्ठकलाञ्चयदकवाश्चायरीतामास्यपिद्वैमणा॥ द॥ श॥ पाकडकाकादमनास्य

कवंस्ते वा धयगु ॥ अन्हेव नागु ॥ नामि वली ॥ नान्यनं वि ध्वम ॥ ०नि: संप्रज्ञानन्तु प्रविष्ठ निश्वास ख्यासं घयघान ०ा स्यं ॥
तक्रुयादनं ॥ ख्वालीयगु ॥ नम दिमुर्खं ॥ भूप गुपजान ॥ आद क्रोस्य दास्यस्यागु ॥ समगु छ स्यं वा नीखासादिव
प्रस्थन ॥ जीमानमो बव ॥ सप मी ० ॥ नीव विलक ॥ सप्रजानन्ने दाप यम ॥ स्वक थ्य ॥ किंम ० लगव
थी ॥ वृक्षियामाय थ्यमानं निवाव यगु ॥ प्रवृ स्रो क ० ले नान्याज मस्कं बसमपा लींयाव गु ॥ निल्कयनि
छयादन्य यगु ॥ यापमि ग्राम्ब नलीतम्रु ० ले नियाग ॥ मत्वयमसन ॥ छ म्भायनायामा पलि बात्वली
मिर्जी कि विमृपनिस्थ बसन्य क्री याया म ॥ आत र्वविपार्य मबास्त काया ध्याया व यसमा नाया ध्यायस
समानावायी त प्रक संतलफकासम्रु मक सथुमकं म्भनम यमिक्षु माद्यृवक्रियाराव ङ ह वः ॥ ०बभवार्य म्याय्यन

थानियासननमयस्छयथम ।।सनमार्गे भयनासनयुद्दयनयानीयस्छयनवाबनैत्रक्रनि१ सर्गे नवक
ठक्र थीन ।। ङयग स्छद्वि स्तामांयनिजनक्रि यीं ।।न वे स्थय वाय घा ना य ।। ऊ स्मेव स्छकोस मद्धि
थेनी धर्म्मा मन्याङ्घ नयासेस्तायथन ।। परि नीपू श्रीगया नत्निदानीयनिजनुस्थयुनिसेस्व
हीं ।। ऊ श्रा त्व न्येनपुक्र मनें ।।न व नयपत्र विग क्र यीन ।। सें घाव सेय व :थीं स्कृ स्वाक्र थी यथ
स्त्रर्यीअदिकयागुसर्नेगस्छन ।। गस्छन्के: मना वाथु सदसाकथुविनक्रीमा निजामाथाव: २८
ठनाजयूजयादमूलिकायीअदयिल्वा शुद्धिकायीपूर्वधिनिसन्यान ।। रि क्रशीरि क्रुद्ध
नेपसविनयुवकायान ।। ङ यस न्यघन्य स्यगयायना थीकम्पयाङु: ।। ऊ जावय: मेध१ ।। कारव नेरि

कं स्यं का बीयिग्र स्य ॥ शिक्रमानो त्वं नामस्त्रियामय बमैं पर्व ॥ निःश्रि म या म व ॥ आम लबि का लमि ऋ ॥ ली लयी
नकबा तावर्षध यंच बलस्य का ल लृ ॥ रद्र नायसपुत का ला धाधि कं ४ग्र बो दस्य ॥ घा द ठा लं व र्षी
धामयस्त म्य पु ट जा या मा धि ४ ॥ ब धा नशो सनाडु र्द्धिन घा नं ॥ संघन ॥ पू ह्रू कं ना यि कं शि दा नं ॥
याविका यों ॥ यि कं लंभवबघु ॥ निश्र यव विवृ ज म ल लं ॥ अ स्क लं य क नी य घु ॥ ग नू धर्म्मा बाव
नं ॥ यकनायश्रमनेद्र बका कं बाशु ॥ क्रा ब कु ॥ ना ग्रा ला ४ग्र बो द स ध म्मी ना जि न ॥ ड लय या ऋ
नाध स य पु श्रा वि धा ॥ ने मिश्चि की ॥ निनिकु माद्रि दु ड य ऋ ना म या रवा ॥ पूर्व पुव ङि ना कु डु कादि
युव्र क्षा व स्का ग न म् ॥ नाम नधगामि का ठ ब की ववक बी ४ म री ब स्य कं द र्ध ॥ न इ नीय स्वाँ पा वि वू स्मी या ऋ

सनासका ४ षदस्ट कवना साश्वत्र कनासाक्र नासका ४ दस्तिजा साक्र ध्वजानाराम[illegible]धामक[illegible]णाराका ४ षवस्ट क

नयाताश्वत्र कगा[illegible]जाआ ४ ॥ दस्ति दन्को: ॥ ज्ञ[illegible] दन्कोराम धामक[illegible] दन्का ४ ॥ षवस्ट कवदन्को:

[illegible]त्र कदन्को ज्ञ दन्क का ४ ज्ञानिग्री वाज्ञ: ॥ ग्रीवा[illegible]न्त्री[illegible] ज्ञानिक्र ज्ञ का ४ ताक्र नाष्टि लावा वाक्र[illegible]

त्रुद्धा[illegible]ज्ञ[illegible]का ४ ज्ञानि दी याज्ञ नि ज ॥ स्वाश्वक्र[illegible]त्रिवि तामित ४ व[illegible]हि[illegible] वि वन[illegible]

४ षिता विक[illegible]कास्य[illegible] नर्व वियानासयि ॥ न[illegible] नि ज्ञ[illegible]पत्र[illegible] नजानिकायद्ध[illegible]

नमूपस्ट ययं वा ॥ यक्ष[illegible] नकस्वेकापा[illegible] ॥ यस्वे[illegible] नव[illegible]मायर्नेपाद न साव्रया म ॥ ज्ञा[illegible]

समयानीयवस्त्र र्वसामीचीका व मस्या ॥ सं[illegible] या यर्त्त[illegible]लाइ[illegible]म[illegible]क ४ पा[illegible] नथावयजा ॥ [illegible]

द वस्य ॥ पाववसिन्नाग्र ला ॥ लिकायां ॥ ल क पास्क नस्या कानन ॥ ३ दक वमस्य भाक्ष ॥ स्यक निकाया ४ ॥ ॥ धनं
॥ गामस्नागावत्व थानं ॥ नक्ष नाराथन ॥ पास्य ॥ धर्म त्यादास्यामन्यं ॥ निदल नमपालि ४ ॥ ॥
वया ॥ ४ ॥ अग्निनाक्ष्कां १ ॥ आवनं ॥ नकच्छि प ॥ वनन्विज्ञामस्मिचलव ॥ स्त्ररूपप्रव ॥ नानयुगम
हंरा वकादपाचीवना ॥ लिप्राचीन ॥ ध वेयग पायपाक्षिनं ॥ अलावमडुरुभुक्तं दपानस्मि॰सा
त्वाम भादपान पाक्षिनं ॥ एनिसवनजका प ॥ पव ७ पास्य कवलभभकाको वनाधू ॥ वनि १ सपनाः
त्याक विज्ञानस्वे सनप्रजाहणवाणायनस्व मीनीन ध्या ॥ जालयायथ नपवादियावक्षिपायदिकास
वीलामन विनिवलनं ॥ अजयदपादडुदपापनं ॥ च ॥ यानपावादारूडकादपायानपदसमायाजनं ॥ नपकडल

ध्युगु श्री क ब श्रयु यु या॥ मरि ह्रू स्या॥ ये क्र निमि ह्र या क्रम हं क्र मयम॥ नान दूमव सा दूयम॥ ना दंस्य नक्रमम॥
नानद स्य क्रमम॥ निस्का मन मक ब ली य मा यी लय ना म॥ य नि श्रव न क्ष॥ क्ष्लि कं द म्बा मा न्क बा
इ म्क ब क्रु श्रम॥ ली ब म्या॥ उय मयम॥ प्रु क्र ल्य न्च ब्क य नि रका ना नु॥ उयस म्यु न्म स्य ब॥ न स्ति ह्र
निह्रु बा र व्य म॥ नु वि घ्रा क स म्च ह्लि न जि या का ब म्क वा ब न॥ य नि श्रुद्ध मा य यी खि ल मा स्य म्ब॥ वे
म ग्र य म द न्क का ह्र॥ प्रु ति ह्रु न्वी॥ उ ह्रु य स्रा वक्रियां य॥ ना य रा म्व सा न्क वृ क्र म्य न्क घ स्य वा॥ प्र मा ह्र
श म स्य घा द ग॥ का द क्रु री ना॥ यु ह्रु स्या॥ ह्रु वा म॥ श्रा बी ह्र रका न्क बा य रा व व म्र भि रक्म॥ ६॥ ना यु क्र
ली विंस र्ज न स्य ल य न का ठि न्ले क स्या य न्वि॥ ना स म्य ह्लि न ड रु फ ८ श्रु ग्र ल जी मू था॥ द स्त सा म न्क क स्या द्वे वं गा

नीय पंसं ता यस्वं॥ जि क म स्या न्त्र सि थ ना॥ ठ य स्छ य य क्रि वा नि स्त्र थ नि की॥ स वी ड्व या॥ क ला ग ज्ञ य द न्का पा सुं
विद स प्य न ष्ण न म स्या नी कु नायेघुं छि४। न ग्री कु न द न्को जि ह्वा क न्ह वी घु ख न॥ ना ०नो ४ स्तु वो ध
यं स्छ न्मा स॥ नाग्र कु त्वा दि ग्व मू घ म ल न: व्य द ०म न व ग न्ध्व वा यी मु ना द न्को हि कु या ४ य ब नं छी
न यना॥ नाविगछ्व ४॥ नि य न न म न न॥ उ छ्व न यु मा व थ्व उ सिं घा ० क व न्के वि नि क्ष मू य न्या:
थ॥ नि मी द न स्या ना॥ यि सं य छि न खा द्क: ख्व म या द यि॥ वे यु म न न्के नं का य क न सी या न्त्र छा
ना द्व न्के नं॥ स्त्र थ नि त्रि नय्रे नि यु न॥ ज्ञ ०: न न्के नं का त्व मू य सं ज्ञा न्य व न्के नं॥ वा ली यु छ न्व
न खा द्कों द क य न्का पा सुं य ना स नं॥ म स्रा न स म व ती क्व थी व नं॥ यि य स्या य ना न्ह त्वे न म न सि क न दं॥ या स्र:

नास्ति कादि क्षा॥ ब्र स्त ॥ य नास्ते नं सत्ता का ॥ मन्ता न्य नय दारि लेन नी नायिलायुक्ता भज ॥ सर्वत्र य आन्या क स्वची
न॥ कश्चि न्यमु श्चि नामि प्र य प्रोद्रु न मन्त्रा न यत्॥ अन्य ह्न न न ना का स्त्र ॥ ॰ ७ ॰ कान्त्युनि मृद्रुय
यन ॥ प्रातं आयन ॥ न सर्वं ४ स्त वान ॥ सत्ता नीन ॥ त्वयं धाय दसी कृ ॥ आदित्य श्रु नाय म्म नन मीवि श
नादिक ब्रह्मायस म्याय न नीत्व गृ हीना ॥ व भ्युग नी नु सूस्राय यितान मयुति मिसं म्रा वेन ४
सस्रो न य नु ॥ स्तृ व ना २ घृ स्ताद य न ॥ य र्भगी नस्त वं: क त्व वि ना या मा स्त्री मित्र सीयु मं सो न्द्र
नात्र या स्त्री नृ ॥ त्ल ञ्च लेन नात्र भ्र जना ॥ ल दिशास्य यना कं आस्तरा का य न ॥ स्त्र काव हानि हृ वा
धर्मा नरव ४ क श्री हृ लदस्या कीर्त वि नन दा तिकु या दा ॥ सर्व य क वा न्म वंधु माव कं ॥ मंभ वा त्रिनं नग,

क्रियात ॥ गमनाघृतयार्थहतकृर्यात ॥ अन्नानार्भियक्षेथः स्यात ॥ नयूवुःयभ्रूछम मागछत ॥ नग्निछु
त ॥ उ ज्ञाछूयमयादयक्षा ॥ नान्कोवाधस्त० र्वयादयम ॥ अध्रमीराघनं प्रतिवदत ॥ धर्म्मसवृ
मायत ॥ उन्नानुं श्रामिकालोहयुणिग्र क्रोत सुनुघत ॥ क्रुहेस्यादलेनु गीत्नवछितया ॥ उत क्रि
यावकृः ॥ ध्रम्यागे दिंयाःक्ष थक्रुर्यात ॥ दानदृम तयमवश्रावर्यवा भीधायध्रुडव हल ननः
तिक्षायदयसनेछृ मानियअ ॥ त ॥ सव डायाछि सुवदु भयु छन स्कु तः युभियघुत ॥ ननाभ्रि
श्रावन्तःनाछि स्यागनायुवस्त्रियायतायणि मामस्यात ॥ उलनमखववक्षिनायुवर्भिभाविगछ
छक्राछि ॥ न्यु दि वंद्रु स्मासम्मन्कथो ग्नयात ॥ अन्नाशछ्याद गोभाभिक ॥ संवकुनीर्यंयथाक्षिक्रियववर्तय

न क्षमदमनन कौ॥ कुहूरौन घार्वाष्प्य धा क्षयस्या॥ मातृ वाक्॥ पितृ घानकः अर्दधानकः संघस्र दवः नथा
गमस्याक्लि कनुल्लाद्विवन्धिवा स्यादकः | शिक्रुलीदृसृकः वर्णुत्री यानाङ्गिकानामन्यनमान्य
नमामापतिमापन्नगा॥ नानेस्यपयमानि | मिरुविपर्यर्यं प्रतिद्धिमाकप्रवाजय पूर्द्धपमया
दययुवी॥ अवसावहेमुपसयादयनुछ | हयसंपघानस्यपयमः स्यावन्नामग्रीपूनःग्राति
शनी॥ स्यदलनाकीमृषावकप्रायाश्विलिर्वं | सस्काह्निन्मा ःयादेकुन्ना॥ कुर्गु लाक्कसदस्कका ःअ
नास्कका ः अविग्यन्नंः कलिद्गृवामिवातका | ाखकरःका न्तुलिकः काशः कालिकुक्रा थवामनः
गलगद्दुसृकवाधिवाः घी ०म याव श्लोयदी॥ श्री द्धिन्नात्ता वद्धिन्ना॥ श्वयनवाः वालम्रकाः ककद्धिना

पर्वं नु यादियू वुमाः युगिक्रि यीसं दृवी ॥ ग्रामादिकस्य प्रवृत्ताय निमुंच्च स्थायसं यया ॥ अथ मासस्य नाः
मूर्वसं वृद्धन्तयुहानन ॥ मिश्रस्यगनंसमा यंवप्रवृत्ता वन्ह ॥ हृदाज्ज्ञमः जुनन्न हृणंनाह्वाइन
दृष्टके ॥ शेयोना धुजवधकः नन्दथकाववः सुंसयुक्तस मोङ्घिवानयुवागयथेनु ॥ निदन नन्दस्तृच्छि
न्नादयः याविद्दक मादानिक मादविनुवा मस्त ःथवव ॥ त्रुवयानथक मध्यननानीगक मस्त्रक
मकाः घामाभिवाव उगिनाननास्तु नाशिवः यानंकाः ॥ स्यनमृ कनशाधीजयशास्वकाः दक्रिकरकोः
ज्ञ्यकाकाग्न धमकसकन्ककाश्यवस कनवाकाः त्रवाककाज्जूककाकाः नादिनाक्कादिव
तास्काशु स्त्रा स्याानिपिमैंताः काराक्ताद्वृद्धदाक्काश्चत्रका काग्नूयनक्काग ॥ दक्किनामासज्ञ्छनावा राधर्मकः

ह्र कनीयसी क्षवयम्॥त्रपूमन्त्रु तकस्यानया॥त्रानिरवाद्यानं॥वाधिवठयत्रकस्ययाघिमतकस्यया॥य
श्री मानवष्यं॥रवद्धिस्तनन्धयावीभन ॥तद्रन्यच्छकम्॥नवखीख्लयात्रकःस्याता॥नजनयद
वानिका च्छवता॥वयं न्मरयजयीक्रया त्रकेन॥युवाजयदतावं॥नोश्विता॥यात्रं करवयः
छ्र स्वयं द्या॥यानयायविरु क्रीता॥ना न्यानात्रनिःसीगेत्रणिक्रियता॥नीभेनसंका वंछ
वंधता॥नवीवत्याानदसमृरथाद्र्पीद घाता॥नप्रमदन धर्म्मनाश्रमरहवधनिमादयत
नसवान्नवैनत्यक्रता॥नानाद्रुंप्रति शमयता॥नानिद्रुखमृत्युधक्रता॥नभिलाम्नय
यता॥नोग्रुत्रेत्रयंशा॥नयद्रन्कैवना॥नभिन्निक्रियता॥मातकम्यनतदंखंकावलीं॥नछिद्रवीवि

हानयविगमथान्थनभनहिरुः वकावक स्यानुर्भके॥ लगमयस्य॥ वकुवा॥ लिफ स्यगुभनयमृदाम
मघ्विधयिधनस्य॥ तम्चनमस्यकान्कोः विकायावृक्षासाधुः॥ नतुभोस्मुयनं॥ नेनमस्यद्
नयनः॥ त्रगिक्किर्यस्नु विकायानयन ॥नस्तन॥ कक्षयास्यनयनमालयनर्कयम्द्दा॥ यूः
थकस्थविकामपाडरेखघकालाफला निस्नु ययम॥ धनयधनाः॥ नन्कस्यालम्बालयनः
कानीनिय्यमूययुअन॥ मूविस्नोक्को नीवइः थानिच्छुः॥ संकावामयलयनमवदानः
मध्व॥ स्नु नाया स्यान्कवान्करकाकपयक दानं॥ वक्षनिवयाज्ञयालयन॥ त्वयभिवसंघाठ
क्षिर्ष्ठयवीववम॥ नयुमिसंस्कवरह्ममूयसैयमक्कन॥ ञनगिक्षधानवब्लनं॥ युनिगुफयदठा॥ डय

नयद्र निष्ठ्रया। लाव स्कद्र धारव धमा॥ नयद्दयग ॐ गाधनाघगमिमन्नन्वक्रतयवधिपयनी वाद्वीमासद्यया

ना।व स्रुक। मपि म्वयकयविसा बहिनिष्प
नीश्रु यथा। यदद्यवमयथुला व ॐ ना॥स्ता वय्यपनिष्ठ्रया

दनानानवलाक्व न जा। नी यंयनिकर्म
यंलु वाने भाने॥ निर्यायवसीलावग्रु वृलयमस्वहास्य

निष्ठ्रयाद्द स्यानिष्ठ्रिनस्यवाभ॥आयक्र
नाकनिश्चानान॥अर्द्दन्वीवलान॥ष्ठ्रिग्राक्षगा॥न्हः

काद्विनीरवस्तनीयाक्विवानिष्ठ्रयंगुकाग
॥नेकाद स्यारव॥अन्यममाविश्वनिष्ठ्रिनस्यायुॐः

ना॥निधारवमनायुक्षुगनस्यकमीयाने६
पवनयागना॥नयस्यवस्यान्दिकाना॥निलीयवू

हेस्रानयविवावान्वयायकन्वंयन्यादिनास्थुग्रदहंमम्ववना॥प्रुयीधारस्मनीया।लस्यामृलोयदनलो

।।पवी श्च दान्नी।।यू गुयिरु संजयान्त्रि वशनी।।नले वाया ध्वाथनिश्रिग त्वींना।।स्या दगु दलम स्यगद्र।।निब
धुऊंगा सम्यष्ठि वरयावाहनिग्रय ध्वं सं का ब धम।।मन्त्रि या गाव नेपा आयना।।रि मवनव
वृलि:।।नेवनना।।निवन्म नरु हाया ध्वाय: मासनंम रक ना।।त्रिदिवमननिश्रिगमयसंक्रामरठध्विया
नरुङ्घ नध्ववासी कोशा थं न्यशु दं।।यनक्षे धेन याङ्कि ङ्कोठय नकं।।यस ध्वघ रु वी य ष्टु याजन
खु।।नानः छिनमवसायनरु निवसादल ना।।यक्ष्यवमानाः अनालाथानववायडबरुठानधर्म्मा
मिखव सं लाठः याव घः कूठलयङस मेङ्घ यानिठरवयुनिवम स्कूल क।।श्रृग्रवधेयगद्र दवं
गठीय घ्य घववमानाडिगं स्याया यमिद स्यवा।।ङ्गवमादीन संगाक्ष न्य स्युरु लोध्य यः।।ङ्गनारु सोरि श्री

गमिकादि ज्ञात्वा वासगयनासनैसहाज्ञा [illegible] पमता न्‍य नयदपि लेनमी नपिलावुकामडा॥ सर्वयत्‍नान्या कत्‍स्वी
ता॥ कश्चित्‍न्‍यमूषिनामि [illegible] य स्त्रीद्रु नमन्‍त्रा॥ नयता॥ जन्वधन्‍न नता कता॥ ० ७० कानयुगिमदूय
यता॥ क्रातैवायगता तसर्व४ सर्वान्‍न॥ सज्ञा नीता॥ सर्ये थायदसी द्रु भादित्‍यद्रु ताजा गना नसाविश्व
नादिक वधायसम्यायनना [illegible] गुह्णीता॥ व भयुगता॥ नुसंन्‍ह्ला यविताव भयाम भिम [illegible] वेत्त ८
सम्यानयता॥ स [illegible] वता॥ रघुस्मादयता॥ य वगिता॥ सर्वः का [illegible] शिवा यामाकेली भिम सोयां सीसाद
नात्रयुभियां॥ रु [illegible] लेन ताप्रथ ऊता॥ दिभउयता कक्री सराकृ यता॥ [illegible] कावशानिष्ठ वा
धर्मानरा४ काशी [illegible] लदस्याकीसं त्रिघानयतिकुयाता॥ सर्वपकता न्‍सर्वश्च [illegible] व ऊता॥ मआवानिर्ल नग

क्र याम ॥ गम ना घत्र यार्थ रुड क्रार्याम ॥ अनानाभिय का थः स्याम ॥ नयु न्नः यभ्भु स्थम माग स्थ म ॥ नत्रि थु

मात्र ङ्काथ्रुषी मया द यक्ष ॥ नान्का बा धम्त ० र्वयाद यमो ॥ अर्ध भ्मी साघर्ने प्रति व दमो ॥ धभ्म मत्र

मायम ॥ उञ्चनं धमिकं तो रथुतिग्रू क्रोम स्तुतु ध म ॥ क्रा धै स्याद को न्नु मो ॥ नव कि म ४ ॥ उम क्रि

प्रोवक्षः ॥ ध म्मागिरु दिसथः का थी क्रा र्याम ॥ दानै दम संथ मखब्रमा व र्यवा मो पाम ध्धे ह ब ह्म मनः

सि क्का य दत्रसनै थ्रु मा न्निय ॐ म ॥ सर्व जा पाह्नि अवद्र गयु स्थनं स्तु नः युतियघन ॥ ननाभि

श्राव गः ॰ जादि स्याग ग य र्व त्रि यार्य ना यति मम स्यान ॥ ङल नमखवक्काभ्मि गयू र्वमो प्राति ग स्थ

स्थ का दि ॥ म्ध दि वद्र सा मस्म का थो क्रू र्याम ॥ अनागथ मादर्शमो मो का ॥ सं ब ऊनो र्यय था भाक्रियवर्स्थय ।

THE INSTITUTE FOR
ADVANCED STUDIES
OF WORLD RELIGIONS

FILM—STRIP NO.
MBB—1971— 28-37

BUDDHIST SANSKRIT
MANUSCRIPTS

IASWR

MICROFILM PROJECT.MBB - III

MBB-1974-28
1. Film strip number

8
2. Source

VINAYASŪTRA
3. Title

4. Additional titles, shortened forms of title, etc.

N.S. + 880 = A.D.
5. Year in which MS was copied (Nepali Samvat and Christian Era)

6. Name of Scribe

NEPALI PAPER
7. Material (Palm leaf, etc.)

ANCIENT NEWĀRI
8. Script

22 cm. x 6 cm.
9. Size

7
10. Lines to a page

63
11. Number of leaves in complete work

k.4.
12. Missing leaves

13. Author and Date of composition (if given)

14. Number of Chapters

15. Remarks This text is concerning disciplen of HINAYĀNI monks

द स्मा दा न्या या जा श्च क स्व प गा गौ। ॥ मा या नि व त्रु र्हे मा घ या ॥ नि द ल नं य कः त्सै व म थ त्रा का र्षा य सा व
य त्रा न। वि गा मि प ह्ने नं व ता ॥ स्य ॥ हा व का ल ह्न न ग स न्न ना स्तु च व स्य ॥ पु फा र्वे प स्य न्ड ण ल स गो
का का व ह स्म त्य स्य स द स्वै नु प ना न्य स्व ना स्य: न्य न स्व नु न्ह न्ट गा ल्ती ॥ त्रि ङ न न नू ल म ण व्रु मा गी ८ ई स्व:
गौ प्र जा ख त्ता या ॥ नि दा व न्ल ता स्या स्या ॥ नि न: श्री प द्दु गी दा द व स्कः स्य दा न व म्भु ल्ती ॥ स्य वि ग्र द ल म:
रु न कः वौ ॥ वृ व द म गृ ॥ नि का नि क स्या त्र न ठ श्र मि ल्वी ॥ द त ल्वी नि दु ग मा ॥ प्र या ग व द नृ स्ऋ द स्या नि २९
स्तु सृ त्व ना प स्मा ग: ॥ या च नं क्स श्रा य ध्व स्वी ॥ या वा स्वा व मो ता वि धी ॥ ता स्य न व ॥ वि त य न न व
वि गा य स ना व स्या म् ॥ स्व या जा ॥ वा स्म न ने घृ ण न स्वी ॥ त्रि ग न्त व र ठ गी ॥ व ग ड़ स्ता व ४ ग स्या मी त्वा न ॥ ग न्वी ता या ॥ अ दा व क्का

याश्विक्रस्या॥स्तुना क्ष बवनिद्धि फः॥निर्याक्षि बकनवा ब॥ण द्द द क्षा क्ष बगणनी॥च्यय ता य स्थ्या वस्यम बेकुना
गब स्यावा यर्व थु॥ यश्रुतु क्वावाधाजुयाधि । ल्वी॥ प्राद्गुव क्षोडा वर्त्वता प्राप्रुव क्षः॥ अनादी छ्याबन
वा॥ प्रुयाअभय ताथा या विन का यनि ॐया । धा॥ सत्क्वि छ्यनदा बः॥ निर्दिगानि ॐ वस्य मदवः॥
वनंनयस्थ र्बानः॥ दबस्या बनपयाम्रः । क्षबल्वी॥ नाशनीस्क बा छ्या मावनवी॥ स्क तक्ष ॥
माकाशस्या॥ तुस्का स्त्रीकी॥ निर्यास त्रबुद्धि । नेयना॥ ऋनवसीमः दरुनमृ थाजनी॥ माकुस्म बादद।
शब्या॥ न्कनमया यायादात ब॥ याथिवदयर्थं । ॥ अथावपनवन्भरवपान्छ॥ नाक्वासय स्कयादिगुनावप
मणावनुछिणवी॥ नाम्याप्रयु वसावस्या फ्रण ल्वी॥ नतियाधीकासी॥ नयुसप्रीरु ॐ न क्कसा बः॥ नमाविम

कृतस्य ॥ आद्य ॥ आविलेख्य स्थविया वीज स्य क्रमी मांसाखिमानां ॥ स्थलनन ॥ व्यायु त्या ॥ अक्षुजानस्य ॥ वा क्षुना:
विसर्जेस्तथैन्त ॥ सि मनदोगेका ॥ विना: थतिनिग्रहा निनी पाउनास्यां ॥ विनि रागि व्या स्यक ख्या:
वमर्कमृथश्च त्यनृस्त वेश्या ॥ जुनाजागनस्य ॥ अशुनलं विद्याव ह्याये व्रानि चि वनीस मा क्ष ॥ का सत्वं
नृह्लुप्रनृह्लयाः ॥ श्रो का का कादि वालनस्याव दसन्क न स्य क्ष: ॥ प्रमिश्रा गीधा वणस्या ॥ प्रमिवा गंव ॥ ३०
जुमि निलीगस्थश्च त्यनृरु वावा स्यक्ष ॥ नाजागन स्या ॥ नमाय नारवनयावक विरुण या स्थायि व
सुयानः ॥ दिलनेदक्षा ॥ ध्मवनवानृष्ठा गाव गा ॥ जुनाय फिंस्सदसाम्नगदखप्रवृ कीवृ त व म्रुय व सम्य
तकंकृयनी ॥ स्ब स्य अन्नदूत ॥ स्म वगनस्म ष्मयि ॥ माव नखिग्रंम ॥ ॥ व्य विद्यमान च्य तस मन न्क व विघ्नता

अगा॥ नो नमः माऽप्रयाग स्वा॥ मद्दन्वे निष्ठुयागतयां भूको स्वादन॥ नयाको सर्दय विमर्दी नो वाक जाम स्या॥ कर्म

ध्य स्यास्यय विमारु॥ रोय ध्यन भावन॥ यब कीयाय॥ भावनयु स्थ॥ विनि को नो दोवि या ट्टनिका ह्वि र्ग

कनिकया: शिब्ध्क रु नासा भगीवान्कु ब याश्वियु घु जाग वनिभवा लो न्क बदस्कां स वाक ॥ वाक

न्क बक ध बु याद ऊ घासुऊ यान्क बव भाव ने मीनु॥ स्थ लका व व नम विनिका विकृय ध्यानकम:

रु यी०वृ मियी ध्यरु बयट घाटिका घ टवि नय बकी ना क चिन्क क ठि ना लेयने यान्क बाक मा

स पलिष॥ त्रिभयीउन॥ नीयिव नस्त्रीकृग स्या बस्थ॥ज घस्या मयु मिक्रि को॥ उय सकाम नामकी

॥ सकाम नाध्य स्थ ना मस्या नां॥ ज्ञ यानिश ध्य सन ठि कार्व ना॥ ज भगा नां धाबयन॥ जनायाल वस्कि सदर्यन:॥ यबि

॥वादिम त्वरिन्द्ध ह्मधिगीत मवव्वनिय त्वस्यात्रशि कृ रिबाजून:श्वभा:॥दीविद्यस्यसंधात्वसया॥स्तंयावुहा
या:समायका॥ ॥नायवदि दा बाजुनन्का स्यसन्त्वीं॥त्रुयागयत्रु त्वींबास॥त्रुथमाबुहमदिबयास्य॥
त्यांनीपक र्षस्यत्वयास्व त्वनै:सन्नि कास स्तनबः श्रुधान्यना॥अयबद्वमस्यानियोनिन त्वाकत्वत्रु:
त्रुम्रखजयानियमनस्या॥वीवबाद्विकन्य नायाबुधीमा॥त्रुनबुकत्वस्या॥द्रुंध वयक नब॥कानास्व २०
नात्रथिपाघहत निजात्व॥सजानीसाका: दिक॥नै:मद्विक त्वस्यनदायलिमसा यांकीदभयविद्ध
वमायु॥नेवाहु नतरखनुस्य॥साधिकस द्व॥निस्क त्वमयुबस्तु॥नदवयमास्तुक ठिनस्य॥सक्व
यव्वद्वस्यनवुलस्यदगनात्री॥यबादाधी॥बासभि॥त्रि मघुलन्थादियंनकुत्रमाहा॥त्रुसस्वद्धधिक्नना॥सव

वे सा न्व ह स्का ॥ स म्यक्ज न थिसि॰ म उ अधा न्युर स्थ न्स तु धाव नै नेः स र्गिकं ॥ निदा षनि षद न न विप्रवासः ॥ न प्रमी
ष्यपु ष्य स्का न नैं गष्ठ ॥ न वद धी वप्र सिव्रापि विषि स स्थ ॥ व भद व म रि पु ष्य ग गा का न स यं लो क त्र ॥ याचि
वे ने ॥ न सय ल व ष्ठ त्रै धम त नास र्गी व र्गः न व का ग व हान ॥ नानं सं घाष्टि क्वि क ना वा स व थी सोढिनी
रिय प्तृ ॥ न वृ स्त ॥ न न स व न्का चिन त्वे ग न्का य ष्या ॥ ना न या वा ग क्र्य यं स्था स सि ऊ फ स क वा ट क त्वं ॥ स दिव
स मा वा स ष्य व र्ष न्का दु व ष्य व वा स द्वि गावा: ग ता न्का चि न त्वे ग न्का य ष्य त ष्या स्याव ना द म स दा स्थि व मा:
स्ति म्र क ठि नः सं घा ष्टि वि ना स वि म ष्ठ ॥ ष ष्याचि न्ना न स गै थ्व वी व न स्थ न स्त्रा क्या स न्का व पु तिं वि ह्लि ॥
पा नु स विप्रवास स दृ न ॥ सं घा या गु त न्क त्व जी न्का वाधिक या: ॥ यू वि स्थि न ष्या स व र्स दृ न: कहि द त्वं ॥ सा य वि ना

॥त्रस्न नवड्रिमत्रि॥ सोंग्नि कंग्रि याका बमन बन्हना॥ जनिः सबलमद्राग म्हय लां॥ सदमन्ह नयनिस्रं नाथमस्यामवृद्गः॥ सू
नमिनमस्या॥ तन्वुड्राम्हः स्तघा ड्रियाल॥ गहि या न्निः॥ स्तह मानमशिं बकं॥ याउवीव बमिंयक हनि गका यन्हन
मंघडयनिश्रयाव॥ न थेआरनिश्रय माय थेस्क नड्रियको वायानं॥ ध्यवननेःसमिंक विरमं॥ माचा नयुमाव
यन्हनिकाकर्स माडिनाछिगा ध्यवनः स्वयका सः॥ दुस्कर्ग विनिमिनिकागृहयाडायमान कंड्रिका ल्यिमनि ३८
म्हरु सांघिकानां॥ ध्यवननेःसमिंदृ या॥ ध्यवन नेःसाम्नि कः॥ पुनि गृहस्थी याम रि म्ह सीदांदां यासः॥ यचिंवरुनाय
॥ कु यीड्रि म्ह स्यामाडुयनिवरुलं कां॥ रु न्यन रु ष्ठि हृगा या॥ युनिग्रहः॥ विह्नु याः॥ चीवन स्या॥ जनायरि यन्हक
पुदान सेघास॥ सेजा जनि द साडयस यानमानमूधिनया॥ विस्कग्रहम स्वयपून म॥ स्तुयथि स्वानि नय शंञक्रमजा॥

प्रमिग्रदने॰ समिक विरुदं ॥ दस्किदृगं तद्ध मा॥ दल नायवि वादगम मा स्या दि॥ प्रयाग त्वं मसन्निदि मप्रमि गा॥ विमघ
नया॥ प्राव्रण तद्ध॥ यठप्रदा नादा मन्त्र॥ जनाय लि स्का॥ वदका॥ निक्ष विरुन॥ विस्तृ स्या दान॥ प्रमि ग्रदने॰ समि
कदृद्ध॥ प्रमिग्रदने: समिक॥ मनूथ गमि मा: गृदिदृ मा॰ प्रा॥ न्थस्रू नि वाय लिङ्गमा॥ उस्त नर्मिध प्रय॥ अना
द्धिम नस्तृदथ्यक्रमाव वीवदस्य॥ विक्षयन: दुष्कन स्य॥ मोत म्य तत्त्वा॥ वीवदस्य॥ अन्यनस्य॥ यद्विधस्या
थवन्नुभमममा॥ विहद्धि:॥ अनायलिनसेनो ॥ निस्कदृभिकयाध्यविक्षयन॥ न्यूनत्वमाजस्कानस्यचा॥ स्त्व
मा स्त्रान॰ सद्मिका॥ सत्व स्या मावधि स्क य स्यावि क्षयनार्द त्वा॥ अस्माय स्तु मा॥ यदगृदि नोसाद नदस्कक:॥ य
द याद स्त्य मन्त्रं नंसद्धिका: मादक॥ लि का घ श्य धाका पृष्टसां घाटीनीव स्तन॥ य मस्य विक्षयत्वा॥ अन्य रुदस्य॥ अमि

नविधि॥ अनन्त॥ कृपतमय के वानुक्षन नरु धीका बस्य॥ नबीलिमा सुवं सवानु याकुं स्वीका थांम॥ न्वीकु न स्वमस्व ना स्ववाय;
पिसाँ विख छिवय अवकाय। निरााना॥ द्वयमा क्षिस्ठ निक माय सम्भू न्याय्वं वो॥ मासिभू को वेद्य भारवजि ताय
वालबऊ जाव नुया॥ भगर्रभू भव ग ल सा; दिसिकादक्षि भवरस्विपुरठ पि वनूं॥ न्दन त्वमयारद के॥ अनः
के ताप॥ छि नलि नुद सुदा भ्पुव जिताया वो दमाल कृत्पु पिनुयक भला॥ ज्ञानाबुय वज नः सा निक॥
मारव्य वा या लि॥ गुदि ल्वयव स्वाछनि लु; मोनी॥ उन्य ल्वेव ल्व॥ अनन्त वव॥ यनेव ननवाय्यव दावा ४५
म॥ उके ल्वंपुयाग॥ पुयुऊन न्वाथी॥ ज्ञानामिकी याठक ल्वथा॥ म त्वनिया ज॥ वन्दकं दिगुहमा दाय॥ साम्भि
सेथकाव मास दिवमासंघस्वी वायधिवा विष्णुरादाठ धनतारा नावाय्ययत्र॥ स्वनवानेकदिवन सेप्रवदयत्र॥ नूयि

यवदा वनेऽस्म ज्ञिका ॥ म्न न्यन ॥ दखा मां घिर्कसंघरद कायक्री हामधनांम त्यन ॥ ङस्थेवत्वंभवि लयं ॥ क्रीसीयामक यसंघः
नव स्न ॥ पूवानांविक्रीयनिःश्राघर्कवग ॥ नम न्यंकू याग ॥ नगू सीवावंसा नपूदसंखु ॥ के यम ॥ गू दित्माया
यदी ॥ जूस्त म्यना वात्र यज्ञाद्भिम्न नदी ॥ म्पूक वद्य पना ॥ क्षयचू म्म भा न त्नत्रययप क्षयहा ॥ नव न्वक कू याग ॥
संचनगदर्थस घक मिकि हा घम स्यदा नी ॥ नपु श्रावद्ध वद्धा नसंधा थम घस्कस ॥ क्रायविक नेऽस्म ज्ञिक
॥ यात्रस्य ज्ञन भि ज्ञिनस्य ॥ निस्म स्म संघवर्क यक्रा थगायांनियमन ॥ मूक ॥ तीप त्वसादृ गु क्राधिकानं ॥
नेनमाघानस्य ॥ निर्दयिक लक्ष्पात्रक सीकस्य ॥ यात्र क्षनघनेऽस्मभिंक श्रा नाजि ताद्र कूवीग ॥ नय वि क्ष्न
स्वध्यवस्थानी ॥ नयत्राद स्म ज्ञानयग ॥ यायगदाक्षमपरावा ॥ न्धेमेस्य ॥ ज्ञावमर्द न्वनगदरीग क्रम स्यदा वितागा ॥ यांवे

सर्व कृ नयकग॥ स्थावकृ कास्तु यनं प्किान बकया॥ समयानयन्वं गद्र कास्या॥ निवाघनदना॥ शक्तनं प्रक्रिया॥
गायां॥ विकृयाबहतमस्कृ वा॥ प्रष्ठनमाया ना॥ स्तुष्पद्धमसम्यस्तन्थादनुयनस्या॥ नियानिव
त्यमपुनियादिवस्या॥ निश्वथायनमी॥ सैव कनीयित्रीस्वदस्वान्मूकी॥ बलनीयं॥ दानमिनबाखा
खामिबारवाड्गावगृदनथर्मस्या॥ नमहुल कबमायाध्यादिमकजंमा॥ सूनन्वबकसा॥ भमयनिर्व्व
त्नापि॥ दि- त्तकृष्णयाभस्यवा॥ श्रवकविस्त स्मगवदृष्टुं॥ नयबद्धकोपदवग॥ नाविश्वसनीयः २४
विश्वस्तनारजैन॥ प्रलम्भनवस्योकृबसा गा॥ प्रियामीमनसूयाग्दवेरवितनीयः॥ पफ॥ ध्रुगसूय॥
प्रभावदतना॥ कृथा प्रलिकसिपदस्य दूसावानस्त्त्विक्रया॥ नदशनिवृक्ति चौसनी॥ नायरष्ठमानकम॥ दिविन

न्ताव यण॥ उवक्षिवाद्विक स्यास्यदयर्द्वां॥ स्वगनन्नयु मजिगर्सगावना॥ यम्नयदर्शनं॥ अनन्म ॐ स्वामिनव्रातिनमः
विकायामृपनिवर्त्तनं॥ नानन्दक्षनाक्षनन ः गरुंवर्ग्रयावग॥ अद्लादानयानाजन्दिकाविरक्ष॥ नमः
यविग्रहनन्वक्षणाः२न्यानकृत्यनस्वीप्रयागू॥ नस्वीक्षर्गुं दिनात्वयग॥ पादवगनं धर्म्मदर्शनया॥ उपाव
मृत्यनच॥ युक्तयामवीवनत्यस्कृ८ नायिग दर्शं॥ नमो क्कावनापादकृ न्मष्ठमित्यमताउनपुण्ः
मधिनिष्टर्गु॥ नामनन्ष्यायिष्ठिणा॥ त्वेणव दुच्यावाविग्रहत्वं पृष्ठमान्यगमनधे॥ अनन्मृववर्ण॥ निदन्न
यायाविदानंयादीवामुस्कृदि॥ नाकृणाकृ ल्ली यागू॥ नस्वयस्क॥ ॐ श्रालयशा॥ व्रातिणमननमवादक्रमा
हादकीवादका॥ मन्यमृदीयथास्त्वयानर्द्वा॥ धनवमनमकामस्मवस्वनापक्तियमाताया॥ र श्रा॥ आमतसनत्या॥ अ

अगुनराबा स्थ घर्मक्षर्थाना ।। नावमकागद्धना ।। नाक्षिक्ष्किनः भिक्षा या जय ना ।। न्प्रलागमक्ता वाञ्च पयना ।।
नम्मानमसमरवमधनिनयन धया ना ।। जयिकद्विनीमकानी ।। वधया ना ।। जयिकसमाधी ।।
।। विनिधायसक्ष्मम रु नमनूष्थधभयक्ता गावाः८ ना ।। गत्वं वध्याभि माय धन्किगर्द्धशुलामिम
मगुन्वनाय मक्ष मामय सक्षामन्किसार्द्ध मातमिमसतयामिद्यानिसं मादसान घ्रम पिममायध
मथा मार्द्धमिस्य का ।। दि वनामयक्षागध्वद्विकि नानमसनगध्रना पिभचक का ।। गुकटयून नथ्राकि २८
याभिनाया ।। स्कु तर्थी त्वयामपिभवकस्व अनिख्या दिसक्षिधानए मा ।। न्वयधनातरिक्षा दि
कमूरु नाधम्भिः ।। स्कु तक्षी त्विन्क तक्ष एजसवस्यवाभाविक्षकिनाः ।। गमथनिमिलस्या ।। नानूकिस्क धन्द्व स्याजन्म

त्वा फि० ॥ य नायदशत्व म ष्मामाविहाय मन्त्रा न जिस त्वा न स्वस्य ॥ नाय मत्वा कृ त्य त्य कृ त्यांग ॥ उ ता विड ॥ नाय
य न मूल न सख्या कय विद्या नि प्रति या दे नं ॥
य स्या ॥ स मूर्व न वा ॥ न दृ गा न्क व न्ध स्या जो न त्व उ न्क व ध्याय नष्ठ न्क न मनो मा त्या जि ष्मन स्थ ता ॥ वि यर्य
दि के व्रष्ना ॥ ओ व दि न ध म्माय ह्र द न्के ध्वा न्क्रिया ॥ प्र ला य यु ष्ठ गनं ॥ स्थि त म द न्क य न्को र्थ वा दी स्ते वी व ना
व न धि वा स न ॥ य दि रा द न्कौ ॥ थि गु या न भ ॥ स्त दा न्क म गु प न्क व न्कि त ता वि गा नी त्य का घ य हु श्री ता
ता कृ न्तं प्र ति गृ हा ण मु थि कं ध्या गु ज्ञा न भी गु दा य प्र वि श गृ हा मा स न नि षी द द स्थी द कं ग ता ण:
द त्व नि ष्क्रा भ गि गा त्व स्यं या द न ॥ प्र ला य वि नी ता का नी
॥ स मा प क ज न्क व पु ना मा ॥ स मा प्को न या ना ऊ थी का नि ॥ प्र ला व व त्व पु ॥ प्र कु ना त्वं ग ज फ ल स्य ॥ पा व न ॥ उ च्छ्ल द न ॥ व

नदीप्रान्तवादयानावस्त्रस्वस्त्वमिमितिय थसंज्ञ्यमभानि॥ग्रामान्तिकादस्तरथ्यज्ञस्तगम विना स्त्रिं॥नद्दादिगणस्तस्त्रक
त्रुमान्तमन्कवत्पञ्चानवदञन त्वसंघ गादशि गर्जनाणुद्धस्यया वग॥स्वयुस्त्ययनवागस्थयूत्त्रियुक्ताना
वाशिस्थंतांस्तन्कवथ्यनन॥जुनापत्रिःस्थाना त्ययविस्तागया:॥पृवात्थम्रिमस्का नतोव॥काटिकामया
वत्काला:सपार्थ॥विदानसचाव तोसा:॥प्रया गत्तमावस्थस्या॥नद्वदघन्ते:का न तोन्कः॥जनकार्थ॥ ३४
जनित्तु स्था॥योञ्जनिर्कन॥विप्र कृणस्यवादक्त नभूनिर्वादियाव नाद्धम्मि॥कृटिकाविदा नसंघाव तो वग
न रूढ॥यानाकयिक्यावनद्वायंशिकोर्द स्थ स्थायि॥जनर्जमत्र्यपत्क्तवर्षस्व त्वम्रू षवादनकस्यविर्द्धिह्र
क्रि॥यावनद्व न्कना नियन्यातान्कवा॥जमर्न्दप्रमूञिनस्था॥जूकानननमन्न वावादथदन्दं॥जमर्तन्कस्तंघावतोसा:

वा यान्त व्यग्र मिछ नवाकनम्. या॥ ज्ञ न्या थ स्तामीयाना धं स न सं घा व से या॥ स्क न म भवनी नेनू धं स ना॥ ज न्य हृ स व
नाम ः॥ मि थ्य गाव स्या॥ न्दि कादु स्त विस्त व धिवा याय नसंघा र दव॥ संस्र व निस न्वोय ना थिव भि यादि
दू ह्न नी॥ अ ह्य नि वा न॥ श्रक यु ह्ल॥ य व यर्थ दयक्त स्तो स्क नं॥ नि वा व ध बू य ह्यूसि नि ःस स्क न स्ल
न व्यान्ह गमि॥ नि वा व धव न्हं ह्न स्त॥ त्र का ह्न दा वं वाक्क स्या॥ यथ क्र मा व्रु स्त धं न स्या ह्न न्य्र वा स नाय था
दन स्मा ब ह स्या॥ स्र नाह्ल या त्वं म स्य॥ मे य ना ह्ल य य यू र्भ र व क न क स्मि स्व वा न द न्हू यु नि नि ः स स्क॥ यः
वात्र न्हू त्व स्या न्ह द स घ स्या॥ सं घ र द स था व रका या॥ न न्मा स्ता स्याथा जिय. स्कु मायां ः॥ ज नू व र न स घा व ः
स्या सा॥ स्वयवा स ना क स्नी बिस था मि स्या ा य ने सा स्या तु य स्मिं बि णि व स्क न्व स्य म्ह या का त हू स्त ध स घा व ह्या

॥सत्कनवडिमनि:॥सांघिकांङ्घियाका नमनत्रनञ्चग॥अनि:सनलमकागन्त्वक लां॥सदनन्दनयनिरूत्नाथमन्यनपुग:॥पु
ननिनमस्य॥नत्तुडाकं:सघाङ्घियास॥क्षीया त्रि:सूरूमानमनिनकं॥याग्रीवनमिंक्तमनिम काय न्कन
संघडयनिक्ष्याय॥नथपनिक्ष्यस्वायथस्त कङ्खिकलेनादानं॥धावननेःसमिक्तविरस्रं॥नाजानयुसाव
स्यक्तनिकाकर्फस्मदिनाशिरा धवनःस्वायपक्रा स:॥दुक्तलं विनिमिनिकागृदयाजायक्षान दीवि ल्यिमनि ३८
मलूलाछिकानां॥भवननेःसभियुद्य॥धावन नैःसाङ्गिक॥प्रमियुक्षीयामरिञ्जगीदांसांयामस॥यचिवस्तीनाय
॥कुर्वाङ्घिनुन्यमाङ्गधविवरूर्धां॥कृन्यनरुद्धि दृगाया॥ग्रमिग्रद॥विदूमृशा॥चीवनमां॥जनायलिमदन्य
प्रदानसेन्यामस॥सौजावानिदस्वाङ्डयसयाधमानमृथिनया॥चिरुगुर्दमहयपृन्न:स्वयथि खानिनयर्थं अक्रमलां॥

प्रतिग्रहने॰ सन्निधिकविरुद्धं ॥ दक्षिद्दृगंलब्धमा ॥ दत्तनायविद्यावगमना स्यादि ॥ प्रयागतं समसन्निदि मध्यगि स्या ॥ विमध
मयात्रावेश लब्ध्या ॥ पठप्रदानादामन्त्रं ॥ अनाय … लिस्तावदकानिक्षविरुद्धन ॥ विस्मृयादान ॥ प्रतिग्रहने॰ सन्नि
कृष्णा ॥ प्रतिग्रहने॰ सन्निक ॥ मनुष्य गतिमा॰ … गृहिद्दमा॰ प्राप्ता॰ मि नायलिङ्गमा ॥ उत्कनर्निर्भयत्रय ॥ अना
स्थितनष्टदत्यक्तमावदीवनस्या ॥ दिगूयन॰ … दुष्कृतस्या ॥ मौनस्यलङ्घ ॥ वीवनस्या ॥ अन्यूनस्या ॥ यज्ञिधस्या
स्ववस्तुगमना विहद्धिः ॥ अनायलिवस्तेन्ये … ॥ निरन्वादृष्टिकयाध्यदिगूयन ॥ न्यूनत्वमाप्तज्ञानस्यवाद त्व
…ने॰ सन्निका ॥ सवस्या लावेधिस्मृयस्यवि … दूयनार्द्ध त्वा ॥ अस्यापरत्वमा ॥ यनवृद्धिनांत्यपदं दस्कफः ॥ य
ट … लनमन्त्र नंसकन्निका॰ मातृक ॥ लि … पूर्व सा घाठानीव रतन ॥ यू मस्याविदूयत्वं ॥ अन्यूतवस्या ॥ अमि

नविधि॥जुनम्ह॰ह्रपत्वमूयरू नानुह्मनन॰ धिकानस्यानवीमि नाप्तकंमवानयाजुंत्वीकूयाँन॥म्वीकूमत्वमस्वानास्यवाय॰
विशागस्ख्व ह्निषकूश्रवकाय विशाजन॥द्वयमा द्विरुद्धनिकमायसंभूनायँवा॥मशिमूक्ताविङ्गयिँगरवगिनाष
वातवऊमजाषनूयाश्वगारमूश्रवगत्वता॰ दिगिकाद्दक्षि॰मवरुधुरुगिवनूं॥न्दनत्वमयारदक॥जन॰
कवाषि॥ह्निनूगिनूदसुदाश्रुववनिनयावी दमातकूहसुगिनूयकमणा॥जागनूयवजमने॰सर्गिक॥
मासघाबाय्यलि॰॥गुदि त्वयवघाझनित्व॰ मीनी॥उन्यलीवत्व॰॥जनम्हवव॥यनेवनेनवाघ्यवदावा ४९
म॥जक त्वंपुयाग॥पुयूऊमन्वाथँ॥जावामिकी याशक त्वथा॰॥म त्वनियाग॥वन्वकंद्विगुममादाय॥साप्नि
मयकावमाम दिवगस्यस्वीवायधिवा विकगुदाकधनतागनाभायायकु॥ऊमवानेनदिमनत्वैपुयदयेन॥नूपि

यवला न नेऽम ञिक॥ ॥ज्ञ न्य न॥ द घा मांघिर्कं संघर र कायकी॥ दमय मनां म त्ना॥ ङ खेववभि वि ॥भयं॥ क्षीणीया नक्ष यसंघ:
नव न्छ॥ पू बानां विक्रीयनिःश्रामकं वण॥ नम, न्यं कृ याम॥ न गृ ही व वला नपू द स्रीयु ॥ कि यण॥ गु दि ल्हाफा
यवं॥ जुस म्यम॥ वाव्र यज्ञा ड्रिश्व न दां॥ खूक नघ यना॥ क्षायू न्म खा न ल्लव्र यंय क्षायड्डा॥ नवन्च कं पु याम॥
संघ न ग द थं स घ का भि कि ॥ घ म स्य दा न॥ ः नपु श्वा वद्ध वृ ख्या न संघा थ मृ घ च्छन॥ ङ्का य वि षा नेःश्म ञिक
॥ या त्र स्य॥ ज्ञ न भि क्षु न स्य॥ नि स्र स्र स्यं प्र व र्खं यक्ष थ मा यां नि य म न॥ खूक लि क स्वं या त्र गु क्ता वि का नी॥
न्य न मा घा ने स्य॥ नेदा य क त्वकू या त्र क स्य क स्य ॥ या त्र ध्म न घ ने ःस भिंक श्चा ना मि ता द्र कृ वी ण॥ नय नि क्ष न
स्व ध्व व सा नी॥ न य ञा द स्न ज्ञा न य ण॥ या द गा या न म घ रा व॥ ङ्घ मे स्य॥ ज्ञा व ल र्व न्व न म द सी म क्ष म स्य य ति ला मा॥ य नि

नवैमथस्यादिः॥ विर्थामारू स्यावितशत्तिका न्कानं॥ वम्भ्यप ठकयस्त्रावकनगस्या॥ मलाव स्यायु विहूणा पदक॥
पुदशस्याया॥ यद स्तूताभुन त्वीकिनूपाषा ढिपत्वंथयदिनाठवाणकीद्वितिदिकायिकता॥ नमध्व
ष्टिनूघ॥ मयस्यास्यायजासः जयगूनव मन्वं॥ घठिनस्यमध्यानस्ययस्यसंदिनस्या॥ उद्घानम्न
केनेयर्वः॥ लदहयकेन्कस्यानिलामःस्त कनद॥ शिवमिछिनूथस्या॥ पृथकहूनयाःकायाव॥
स्यवस्यकूनया॥ जना॥ थानायियनकीययाःश्व वडसमायाठ नं॥ जन्न्यस्यछिन्नपिकार्यछिंडस्या॥ स्यः २१
घस्यवान्कवस्ययत्तिका याम॥ उहूयाः वाफायसीमध्यवस्याण॥ जसंदिकायः॥ घिमहीदूनास्य
छिप्रवहाथाःयाद न्यांकाव न्कवहमतिसंदि गं थनानकविम स्यनसर्वदिमर्वमसमकावनं स्यु उः॥ जन्य

नार्थौ॥ष्ठ्रमासनेन्मि कोनाकसुधा॥पु वमन्ननगच्छ्ड्यप यावनायोनिनिवृ नयपक्रमध्रुव आमकाशेलेनमयानेकस्य॥
नाव ॥ स्नं नभ त्यायुकी कुंदका॥ष्ठनेअमि ध्व॥ ग्यिनाम्सास्तिनायांकी वान्कवस्य॥ममख्राधिकिविम
वथाद्व॥ नवपठ कालिका मध्युमिमाम॥नि यरिकः सकम्भीक सान दर्व याधिकान वस्याक॥कं
नयवकामी कीछस्कसलपुवनीनि वाबुहो: वा॥तध्वि वरास्यन द्रवम यद श्रीमध्वलि व कुलान्कोनि
मृदने॥स्वमियुद् यीश्यावि मृयथसल्लिस्तं मनिः॥जा॥याविया दुन वाजकोन वपा॥यकपुनन वक्निः
वाह्व नपुयामल्ल पवस्य॥ष्ठ स्य यागत्वे॥ष्ठन गेथ्यमलचिसेयविलस्यधुलोनगोधूभने॥दाक
वस्तागु स्वयास दपत॥नमूक्कं नाधीया॥निक्रमर्हं॥नेसाव॥नाम्कीनोनानिकानयव॥नामंवृनिकीकमध्ये

च्याधिनाथ॥ बुद्ध बुद्धानां च सप्तबुद्ध नमामि शिरसा॥ पूर्वजिनाथ य नमस्या॥ अमिताभ नमस्य य दिन कामनत्या श्रेय च्यान
बुद्धान्नकस्तस्य॥ नामस्य आवा नक्र यस्सार्य रागेस॥ रागेस नावाद्रु य ऊँ य य स्य या च्यवा किम्कु दायाग्नि दस्ध
क्षियफ ना या सिमानक्रय॥ स्कय ना यममत्व नियूअप नस्कु कारिक्रियन॥ नवादिग्ना स्कु निमा म्वा ना वा
चउन्व मयय यन॥ कुथ्यार स्कु नय ना रुठ किञ्चिन॥ क्रियम य विक्र न सगग लक्षदि॥ अन्नवाऊँ वर्षा
सवदस्मक धन॥ क्षनयय न क्रम्यदा॥ न स्कि य न दिश्री॥ सा ना थ अस्या स्य कनदा॥ विअम ये न॥ १८
रक्षिकादान॥ अशक्षीयाक मावासमय का लरक स्य यानक स्वा॥ याउनि म्रा दन॥ ना न्दि स्य व
न॥ प्रभिपदन॥ प्रखवक्रन॥ का रवन मनमादाय॥ विध्याबाउयिक चिरक॥ ॥ हरस्क ध्वदन॥

मनुष्यस्य गणिकस्य सूनौ ॥ देवाग्निदान ॥ कशद्विक्रय ॥ नाजाकृतलयन मुषितास्ते स्वायत्त्या ॥ वधयानाजयिक श्रेउ
कागत ॥ नियोगउपदेश ॥ निदतलनमारु गणी ॥ स्कृतमाअनाघात ॥ दूषकवासाधूवविवाउविल
श्याकाव ४ ॥ नामहिनारवसम्यस्ते ४ कर्ष लौ ॥ जउन्मोन्केवकमदिया ॥ विधयानाजयिकायस्युगने
स्कृतमूस्य ववभरवतिपिकुवोसम्याप्रतिय वा थलस्यादन ॥ भियमामिरवनुप्रस्क नमनानस्व
स्पसूप्रयास्यवसार्यदान ॥ गहुस्वायनियक स्पयादन ॥ गर्भप्रक्रयककवाटयीउनादीयामन ॥ वु:
पाकाम्पस्ते धन्वाधीमनक्षत्रस्वस्न ॥ नमम नायमदसाधस्तुकानर्के वादघात ॥ संघ्रजानवियापु
त्यकेयाम ॥ मन्त्रवयठाव्दयाम ॥ प्रदानक्षनयनादाया ॥ नहे ४ मप्रत्यवाक्रिनकुन्वीनी ० धम ॥ नात्या:

मनस्यत्र॥ विष्ठि निनायगिन स्थन्ना॥ जनायलिः स्त्रियाम्येनन्दयकवला॥ गुदानेवाजनिर्मन मात्रा॥ द्विदिव्याप्तंग

नियक्ते॥ स्त्रियाःअम्व नायविनियाम॥ कायमक॥ यिनिमा नि॥ मैदंवद्युद्यु च्छ वली॥ ननमैथुननवानियस्त्रन्व

युंयत्न त्वं॥ उ स्त्र॥ कायसंमकु॥ मैथुनाकी॥ या युरवन॥ चत्रवार्द्ध स्त्रव्यानासविरुप्रयनन्धानननगौरखाकानय

यागत्वं॥ अविद्विष्टुत्वंवकृया चायुस्वाय विपृच्छ थानंनसाक्राधुत्यन्नशायवनयुमिददास॥ जुना

यक्तिनखाम्कनारिस्त्रायपलजनयदनिनकी वभन॥ संदृष्टं त्ववानामः॥ मैथुनाशायदविरमः॥

स्कुलंङ्कास्तिशिवाद॥ यापिकामिमि॥ ङ्क कान्ध्यायकरवावुशमथमिनिमविन्नागफूद्विमि॥ मास

विवाउत्पानि॥ सयासार्द्धस्वपिदिसमागमंवाफूद्विमि॥ मैथुनाशायदापृच्छा॥ नथर्द्धिविफृवदाधर्म्मिकाशायहा

वान्कदि॥दयिरु गिगिमर्द्ध॥यस्करागिनियछ्आमिनान्कदि॥यरू रागिनीयू वरा स्लुरूदि॥यरू रगिनिमन आपंत्रदृदि॥
त्रियन्कदचमि त्यदुमका त्रिन्कत्रियामि त्यर्का त्वेमरगिनित्रिया॥देदिमरु गिनियानीर्थ थ्याद्यकयवागृ
गाजन त्वमवगादि त्यक्किशा॥गदर्स्ताक्कुवगग थ्रावक्नु॥त्वानिकांत्यागिनिवबस्यूनप्प यद्यमानापूबखाना
यिगुयाउ॥ज्ञनान्सीनयत्रिशा॥नठ॥त्रिपू: त्याव पोष्ठ्व्यरागिनदष्ठ नाराषत्ता॥मेथर्न स्ता थ नेवि
निवकामि॥मेथनारा खत्ति॥मेथननअन ॥यविवबत्य वन्कु ना॥वदरुद्धन्निमा माद नाथंव वनं॥
गदवृत्रत्य स्वा नखं॥नन मेथननवानपस त्वानत्रयाम त्वा॥उरास्वांगत्या॥यबिचयासंवन्कनं॥सयाग
न्चग्या न्यनमदथमनुयनगायनगः॥यखेगृसीनयोनयस्यसंत्रयान्को गानिवदिगवगस्तुगगनकुडद्धक्रा॥यर्वग

क्ष॥ मद्द गास्या दोग्रथिम त्वं मस्त स्तेमस्या पृट्ठ दू यम स्तामी संव्याशीयर्थ्य न्क॥ निषदन स्य स्व ण्प कउ स्त बामर्सं न्कव
याम मा॥ द्विगुक्षम्र स्तदनाम॥ ऊनियमः | यांमस स्तम यश्च॥ दया स्तुद स्तय श्रीमजायावाधि कानि:
यावदर्थ॥ अदय स्तमचिकस्या॥ नेः सद्भि | वं त्वं क्ष॥ नध्यायमथ ट यदगुवविक म्प ष स्त्यानी
ययिथ्य द त्वनयमंश्या श्चिरु॥ मथम: | धन्यादिनस्य प्राकसमायाग म्ने ःमद्भिकफु त्वं॥ स्तुआः
संधायां नवप्रस्र म्राय न्क विशगयमव: | जम॥ जूम: यत्वं कन्क्षा॥ ष्ण थमन्त्रश्चांत्रि कं स्त्वदणीयमगुस्त
कत्वं॥ ऊर्ध्वगुथमगुत्सक त्वंद्विनीय॥ स्त | नीय स्द्वियन्कम गुतकत्वं॥ त्रियन्क कानि स्वदस्सेदयान्
क्षिप्तानिकानि॥ क निद्रा शयमास्तदस्तमस्तथा॥ अन न्क त्वं मध्यानांश्र मानी॥ जून्क वामसाद्वियन्ककम यिद्वि

वक कनायिवतुक स्र ॥ जात्रिमछुतस्कदित्व यि ॥ कायसकंगद्वयं दस्थः ॥ आका वयमिदसलकवव गं ॥ मासिकनेःस

मदिक्षविरसं ॥ दू गत्वन्यूनवसलना ॥ ऊत्रत्या गत्वमस्कदनवमछुतस्या ॥ ऊकत्निकात्व ॥ निवनिष्ठानानांचम

रवधवनयनिश्रावनत्र स्म ऊनसाविमिमिकादि नांपत्रिक्षनवीवनाम ॥ मासिकपूजा ॥ मासिकनेःसाप्तिकं ॥ त्रः

मिमक ध रक र्वस्म स्तु नां ॥ अनूमस्कयर्संमतुरिश्र मी ॥ रिः छुकस्म स्तुदानं ॥ स्तुतिनामयक मास्वायिरु स्यामन्यत्रुवं

माय्यकधूर्वजः ॥ स्नह्नन्यक रु वंप्राधम्यनः ॥ रु दपम ॥ स्त्रिश्रुमी त्वंगदस्रजितंयाः ॥ उलव स्मि ॥ अ स्मि ष्टिन

म्यपनगधावनादचीव व निषदनानांकस्यधावन नऊनाकाटनयविस्र स्था ॥ प्रदगस्यायिक्ष गीकर्मदंःस्तन त्वं ॥

स्तन स्वकानिमत्वं ॥ आदनयर्यन्कादक वीयवहिनद्दरू तामेस्य ॥ मस्तू नत्रधानमाया यथद स्नमीतं ॥ मायमीतस्मायथाथ स्व

विक्रम्यासाः॥प्रमाणमद विकृष्य स्यत्वां॥ पूर्वकं स्यावपूर्वेत्तङ्क्षो॥ एकं नव लङ्घव ब्धिक्रम्यादय त्वां॥ विकृष्कव विकृष्य स्य दृक्रमां॥ त
द्वीभोत्तां॥ अयानन्तु ध्यस्य॥ विकृष्यनाथनेःस जिकमा॥ संक्लो त मम ग्रवा विनस्य हृ मंक न्यामसं कन्त्विम
नपमदबान्यम॥ सकन्त्विम माऽहमन॰सन्ति का। वनमधिपाक॥ एकुत्वं त्व ह्नः॥ प्रियाणेक्षा॥ प्रसादनेःसन्नि
पुधि प मक्ष (स्रिक वीव ब मृ नाप्तु॥ नि कि पाय क्षि अयूर्वकमयपदि सं वे याच्यु स्या कन्न माधि मं हृ प नापौ व्य लान्च ३९
ते व्यानयूर्वकं अदयम॥ नाभक्र वस्वायां संप्र धनं स्य वादि नं हं॥ जस्तं प क्षो ड्कि ति य मापि॥ दो पे पयं च
णपङ्क्षाद्र्वी यमृन्द्र सनि पुत॥ जमं पस्मो दाता मं अव धम॥ वृलाग्ध मवं डापा नेः स्द्र भुवय ह्न नाउ कुप्रनि
निःसत्ताद स्यथनयाद्रवी म्यग्र द पान्नुस्यनं पुणी पृद्धी याम॥ यन वायनस्कु ननन्न प्रयणयां॥ प्रसौ नां॥ मनस्यपेद्भुज।

अनागच्छामिनित्यंसोऽधीनंनैकं ॥ नाहंस्वयंवादंध्वमून्याठ्यम् ॥ ङनकाढिनेःस्तामीकाः ॥ यूवानवीवनस्यास्थनडकवामामि ॥ वि
वठनमाकाठनस्या ॥ ङन्सायाबिकस्त्रणिनोःस ङ्गिक्तः ॥ स्वीकानीवन्नाम्या ॥ गम्यमायांन्यनी ॥ जुईत्वंयूवस्का
स्मस्वाक्षुनकत्वय्यम्युष्टेम्यतनव ॥ यथस्क थविगा ॥ याख्काणमुस्यदुस्कुमां ॥ अन्ययक्तिवनाम्या ॥ जयूसङ
सीमनासानों ॥ हग्रमल्लवयाम्या ॥ दानयवाः स्वामिन्वांश्विमास्वदेयायूयकनस्यस्वामीत्वास्यूपगमननमावि
स्थनमि ॥ मियक्स्या ॥ नचिघमानधर्म्मार्थविस्य यादनाशुनचिः ॥ नदृवत्वस्वामिनाधक्तिः ॥ कृत्यामीकाव
धमाशात्थमृगाजनस्या ॥ नगृवाबवायवनयका र्वपगगुरदी ॥ यथदनस्यवाद्न्मागा ॥ ङपस्थयर्यदम्नाथास
र्यकान्कं ॥ निनमराप्कंस्थ्यययग ॥ नादम्रदाणिनवनयग ॥ कनमन्त्वाथ्यास्मिदयाग ॥ ङदकाथीवन्कुकान्ं ॥ समानः ॥ मात

न्यर्वसथस्यादिः॥ वर्थमारुस्यायितश्गुिकान्यामृ॥ वर्म्मयढनयस्त्रावकवग्यस्य॥ मलावस्ययुविहृणापदम्का॥
पुदशस्याप्याणादघूजाभुनलींकिनृणाका हिपल्वेथादिपगव्रागकोदितिविशा॥ पितला॥ नमध्य
ष्टिनृधगम्यस्यास्त्रायकासः अप्रस्नवव मन्व॥ घाढिम्स्यमध्यामस्यय्यस्यसीदिमस्य॥ खरुनहन
कोर्यर्वःस्थलशदपस्केन्मस्नानिलामःस कनादः॥ गिवमिष्ठिनृथस्य॥ पृथकषूम्याः॥ यायाष॥
सिव्यस्यवनयाः अन्यथावायिपवकीयया॥ श्व वउसमायाजने॥ अन्यस्यष्ठिन्रपिकाय्योष्टिउस्य॥ स्यः २१
थस्यवान्कवस्ययगुिकायाम॥ उघूयाः याम्नाथसीमश्यवस्नाम॥ प्रसविकायः॥ धिमशीदाास्यु
श्विप्रवशयाः॥ पदन्यात्रावन्केवदामदिसंदिदंथनान्कविहस्यनसर्वधिसर्वमसमाावनीस्यु॥ थः॥ अन्य

नारयीं॥ऊस्रासनंमि कौनाय सुहा॥सु बमन्नगस्छद्दयपरा बनायीनिनिवु नयु पञ्चमभुव॥ अमकाहोत्लिनयानका स॥
नावश्म॰नस्र॰त्यातुकी क्षुदकौ॥ऊन अभि ध्व॥ निचनास्रासिनायींकी बान्कबस्रा॥ नमस्राधिकिविन
बथाद्ध॥ निनयद काचिकु मधुराचि आग॥ नि यशिः॥ स्रकर्म्मानकस्रावदरवं याधिकानवस्याकाऽ गै:
नयबकार्मी कं कुसस्त॥यबननानिवाबृहा: वा॥तन्धि नगसाप दरस्तदर जीभऽवाचिय कुलाकोनि
ध्वदना॥स्रमिग्रद यो॥या बिक्ष यहसलिसं गणि॥ जायी नया धन बाजकोनबना॥युकाकुनचनिः
बाकु मधुयामलेपबस्रा॥ऊस्रयागर्त॥ऊन सेथामतचिस्रयविलस्याधुलोगनेर्शाभ्यानं॥याक
लेस्रा॥सुस्रवासाद यत॥नमृक्कायीयामिकमनी॥नदाव॥नामिक्षौनेनामिकामनयस॥नामंयाचिकीकमक॥

सङ्गस्य वज्रिवांकृत्वाग्रक्रियायाः॥ नकायावयावं कृ यिग॥ नन[illegible]यकरा ऊर्ध्व॥ नानुषिगस्कं तवाधिकित्वीवर्ना

अवगाग॥ नद्रुर्द्धानंपविविरुनद्युदि गुद्दपार्थ॥ नागमस्निन्यवोनादच्चज्ञवढयान्निक्रीग॥

[illegible]नुनवद्वलीकृत्यामागृदार्याअवयवा ॥यानभवङ्कृगत्यामिथ्यावग॥ नवकुर्कंतृ्यागा॥ नम

र्गुभावनदोसः॥म्नृ छिकायकृगामावम्न स्यादान॥ऊनामिफ्रखसस्यतदर्थ॥नसिद्धनस्यनृर्व २

र्के मृगस्याश्रमेपुविस्तस्यादान॥ मृगस्य म्यङ्ख्यादयग॥ अदत्तादानयावाऊयिकवीनीनका

नि॥ अपदत्तादानयावाऊयिर्कसमाप्त॥ ॥नमवणधवनानुगुर्ग्नानाथायसंदावमपम

दवग॥ नाविहृमस्यानृज्ञाम्नृथिवृज्यनीकत्वमृयस्कपयग॥ नसत्यागमो॥ न म॥अयकबर्ण॥ मवणारवाद

नमनुष्यानादयस्थयकावाबयना॥नारवारवयनस्यम् माकांक्षना॥अकबनीयत्वंविलनाकबनीयकबन्नानुमा
दनस्य॥जीविनायमाध्व॥मद्विलवा॥मन श्यगणी॥अम्रिदः कायनस्यम्बहमकुसमादापनाना॥वि
यवकनगाद्दिदानूनष्याडकातिथुषस्यानमसूय स्कयनुकाड[illegible]बजातमनुयुयामस्थी॥यादनस्य॥जना
नमः थुद्रिफः श्वनबस्यशीमा[illegible]याःषोस्यथ यत्तदीनां॥अन्यत्वस्यानस्थन॥स्त्रीयनृयमनुकत्वघाः
नस्य॥अन्यदानन्निदानेम्यौ॥अन्तिमिकन्चे विष्ठन्कनानुयपबस्यां॥स्तुलमननरिसंदिनस्यमारुग
री[illegible]ः यात्रिमस्का॥अधिवासतनायानन्निमिर्ले ॥त्विन्नाम्नामबश्वपयकबदिदामीतिवाकः॥अन्यघा
नेत्राणिबञ्भमिनिर्मिनस्यायि॥नानकामवताक्षबग्मनायनेषक्षन्कघाना॥वेद्यमंयुवुडिमद्दिस्कानामस्याववाक्यत्वं॥

खकं नायी ग्रा ना प वा णा ट्ठि ति य या ॥ या द ऊं घा वा  य ह्र त्यादो व स्की या श्री द ॥ मा व न वि नी या का नि ॥ मा व न स
मा र्फुं ॥ ॥ क्रि या: कां हृ त्वा मि द व दा सि नी थ  घा स्छ न या ॥ मं गो ऊ न मा या ञ्छ ॥ म द ग थ्वी या ॥ ज व ना
वि ह्रू पृ द ख या मा दं म्र वी ॥ ऊ न्ह व ण ह्र या ॥ द ण  न ग्र दि स्था: यृ मा मा न्नि त्थे वि ह्रू स्या ॥ मा न्नि थ्यि या का त्थि का
या: ॥ मा त्व ध्रू र स्या ॥ न्त्व न ह्वी या न्ह व ऊं वि का व  स्म व ह्म ॥ वा ह्र त्ल ग स्या ॥ त्व ख मा ड्डि थ्वे य व त्लि ह्मा ॥ स्रड्ड
वा ह्न न म त्र ॥ ज ह्म न म्र रा थ्वि ण द्रू रही थ्वि न या  न ख ल ल्तु थ्र र न्ना ना त्ग्र नि म व ना म थ न स्व मि ग्र मि व त
लें मी त स्या ॥ न्न न न्ह न घा ना त्र ॥ न त्वं य ग्नि  वा य त्रु का नि र्भि मा द्व ॥ द द व त्र य म्र व य ष म थ्वा न रु व ३९
न द्धु न्हें न व न्म ना ग म्रप्र य क्वो न मि व ॥ त्न त्र सं स्य त त्वा का व: ॥ म ध न्व त्र व ल: ॥ म न्तु वद्धि स्य व वी व व स्या ॥ ।

अविशिष्टत्वमाम तात कृत्यदृश्भकाबयनिकर्षाण्कि आंवति म्शिनियाजना॥ मवक्र न त्वस्य वाजनंन देवी:
वबाक्रवया॥ अननादंद क्रानकामस्या॥नरि कृशीस्य अग॥नक्रियां॥स्यृअदक्र्याम्रला नम्सयवा
दीका अथवामांरुदृदिरुगिनीसहमय स्कमय॥वानृकाम्र नवक्षनालाखमवाअंधावस्कयनं॥
यीं०वडकर्धा॥स्त्र क्वियावलाक्वअयानयपु मानकाक्रमनं॥पुत्यच्युक्षजीववीनवगियोन:पय
ना॥निर्दीयानक्रम्ययाश्चिरुत्यक्तियनिष त्वंरुलां॥ अनायालिननकम्ययादु:था न्मा
र्क:॥कायसमस्कविजा र्न:॥म्निक्रुक्रम्दकास्त्रिप्राय: सम्मादना॥कायसम यृक्ष॥स्त्रिक्रयांसनाक्रुकादंस्तुन्त्रियथुप्रिकीरुतीदृ० गंयादान्मादिनाम्स्तुीघठना॥नदा
वन॥मारुददिरुरगिनीयृभसहन॥यवीसरुकायां

बास्क स्कु नादन्य त्रम्नि॰ग स्खा॥ ॐ झ गा॥ कनमर्यदि मया स्क नपुर्यक्का॥ निवा स्य प निपु द्विरु नवाक बम या दा
नैरे रु त्वं॥ जु दिरा का गा यां वधन गाड् कित स्वा॥ आरोय अ खा ग्राम सं म गौ यु थ का स्रु न त्वं। साध्व नः
र्स म त स्या॥ म्रु न मु ला द स्व॥ सं म का अरवा विदु या नादु ऊ गाम का स्कन त्वं॥ ग तक दव गजा अरवा ग स्य प्र
वगः नैभ कद्य ष्वा॥ निम स्वादि व्याय मैं पर्या नः॥ उ य विचा वा य्यामः साम न्वा पा ना॥ कु घ पा। नि। द्वि। प
ग्रुम यात वा घ्य स्य क वयू क नवं ग ग का द न स्कू नहम ध ना वा घ्रा का उ स्या न्य न्या॥ नियत यना॥ वाट
पविक्रि स्क ओ ऊ का व ज मा प्र क ग्नि ओीम न्य दु षपु दिवा नरु स्य ध ना वा॥ य निराय निप्रि स्क घा दश
घनि का या॥ निध्र य घ्य स्क निग सं का वस्कु त ता स्न ध ना वा॥ न ग स्क न ग्नि क ब गी यप तिस स्य ष्य घा॥ म नाम

न नजास्निग्ध याव गस्कन्ड जगस्य सर्वत्यावनं ॥ निर्मयाद धन्या स्निग्ध गगमनृत्य स्वकर्मन्नय श्रमशाद्यामा: ॥ नसीमान्त

नं ॥ पृथक्त्वं कृशा ॥ नमस्तुभ्यम: यत्त स्था ॥ वि शुद्धासने: सद्भिकविर्जि ॥ नायायः खड्गखड्गनाह्यग

जावाधिष्ठानस्था ॥ नानुदिने: कृपा ॥ मातिप्य वा ॥ वायज्जाद्विप्रवास: ॥ नान्याधिष्ठानादन्यस्थेन त्वस्

नी: ॥ नान्यदर्धधर्मयकाया: क्षितिगतस्था नाप्र य: ॥ नमाधवनहोतानकाष्ठकस्था ॥ नधनगन्धमि प्रियपू

त्या: ॥ वर्जितत्वस्थगता ॥ सर्वजनत्वं ॥ ना यिविवानत्वंआश्रमस्थान्तवमाविदानस्था ॥ विप्रवासने: श्र:

क्षिकपूष्ठ ॥ अविप्रसने: सद्भिकमा ॥ पृथक्त्व दमस्थापू नकायस्था ॥ शार्यान्यू नमाशमनश्रमन्तकाम ॥

सत्वनाधिष्ठानियमस्था ॥ अन्यत्रास्थाप्रिअज्ञामा ॥ निज्ञानको ॥ शूद्रनकत्वंविज्ञातीयस्थवर्के दिनं ॥ सर्ववस्तु त्वशी

त्रिकं स्यामतः प्रमाणमद विग्रहस्य त्वं ॥ पूर्वकस्य च पूर्वं तत्त्वं ॥ ६ ॥ नतत्त्वं व्यक्तिकस्यादय त्वंविग्रहस्य च विग्रहस्य मस्य दृष्टमं ॥ ल

ब्धे भेदा ॥ अथ नव ध्यये ॥ विग्रहयना थने ः म क्रिकम ॥ संकल्पितमप्रवानिगमस्य मन्त्रः स्वामसंकल्पितम

न्यादवान्यज ॥ सर्कल्पित मान्यस्यन ॥ सद्धिका वन्धपियाम ॥ एकत्वं तत्त्वः ॥ प्रयोगेष्वा ॥ प्रस्यकानेः सद्धि

पुष्पितमस्य त्रिकवीव नश्वस्य ॥ लिङ्गयपद्वि स्य पूर्वकमप्यदिस्यं वैयापृत्यकानमादिस्यं ह्रस्वमनोऽर्थलोक्य ३

तत्व्यानपूर्वकं अदयम ॥ नाशकवक्तायां संप्र धवर्णवादिनं त्वं ॥ असंपक्तिप्रियमचि ॥ रागे यथ च

मगज्ञा दृष्टीयमनुमतमतिश्चुम ॥ जमंसस्तोदाना वं अवधम ॥ दृक्यं मदर्शना ॥ नः ह्रस्वप्रयच्छ गाडकप्राप्ति

निः सत्कादस्य यमगाढव्री कुगदयान्नस्थानं युगीगृह्मीयाम ॥ पनवायनस्थनेन युयगया ॥ प्रदीनी ॥ मनयाम्येद्धम ॥

स्वनागत्वात्। क्षिन्नसाधनं नेकं॥ नाद्दृश्यत्वादृश्यमृत्याठयन्॥ ड न्काद्दिनेश्त। गीकः॥ यु वानवीव व स्याच्छनवडव वामा[illegible]॥ वि

वठनमाकाठनस्य॥ ड न्वाया। विक र्महनीः स क्षिद्कः॥ स्वीक्षा गीव न्नास्य॥ गम्यगायांन न्यु वी॥ कूर्द्द त्वंयु वन्का ग

स्वस्ववाक्षुगफन्वस्यम्यु क्षेम्यत्न नव॥ यथक थविमा॥ यात्क गा श्रम्यदृ स्कृ गां॥ मनस्यहि ननास्य॥ त्रयुमठ

सीसनासा नां॥ हाप्रमत्नाद यात्था॥ दानयवा॰ स्वा मिनां श्रिमा श्चावे यायु स्वकन स्व स्वामी त्वा स्यूपगमनमाश्रि

स्थनमि। गीक त्म॥ न विद्यमानधर्मार्थश्र य याद नात्र वृत्ति॰॥ नदृ व त्व स्वामिना धनि॰॥ कत्वा गीकाव

हमाजा त्थश्रणा ठन स्य॥ नगृ कृ व वाय लनयका वयिहगुदसा। यथाद नस्य वाव नाग॥ डय स्थुयय दन्ना थीस

र्यकान्के॥ निन मगुपकं स्थयय स॥ नादस्वदायिनवदलयन्॥ कनमृन्वा ध्या स्मिद या ग॥ उदका वीवन्क का न्कें॥ समानः ग्राल

नतिथि॥ अनक॥ ४ शयत्वमयक नानुक्षनन, धीकानस्थानतीतिनाअकंमवानयाप्तं स्वीकृ यांन॥ स्वीकृत्य तस्यस्य नामयवाय;
विस्तामस्यक्षियक्षुश्मवकाय. विस्तानना॥ इयमा क्षिद्धनिकमायस्तंमनायैवा॥ मनिमूर्कावेइय्यक्षिरवक्षिताप
वालनजेन जोष तुयाक्षगार्तमृक्षवगत्वता; दिक्षिकाद्धक्षि॥ भवर्हुरठमिवनुं॥ न्दनत्वमयाद्दक॥ ज्ञन;
कनापि॥ क्षि तुरितिनूदछुदाक्षयुवनिगयावी दमातकहप्रमितृयकमगाम॥ ज्ञानन्पयनजननेः त्तानिक॥
नातक्षनापलि॥ ४॥ गुदि त्वयनम्याझनितु; मीनी॥ उन्यलीढत्व॥ ४॥ अनकवव॥ यनेवननेनवाक्यवनाना
ता॥ उक त्वउ्याना॥ प्रयूकून न्वाथी॥ ञ्जानानिकी याशकन्यथाः॥ स त्वनिया ता॥ वन्वकंदिग्रयमायाय॥ साक्षि
तयकानमासदिवगसयस्ठवीवायधिवानिकगदीरुधनताराननायायवञ्र॥ जनवानेनदिननमिवद्यन॥ नुधि

वनानि॥मयांमृङ्गामयनवंरु भकास्तुयुरुमि॥मवुयथागस्कघथानिर्भादनेश्नवनेवऊनेमक४म न्आकुड
यतय॥सूयमगुयवागृनीकानगं॥वुन्व भाकायानुदकभाकंस्य॥काष्ठवृवया४श्याकथजमर्म
दनानी॥त्रकयताभकादन्यननामविद्धा दिनास्मानें॥ानाप्यामिनिकप्राजकधनानुदकादयि
पुयातमश्नास्राप्राणकायथागर४॥श्रावयदनु याणं॥दन्कुप्रवाक्षायाजुअरुकोमोश्नवस्कृप्याकार्यमा
गयश्नुजनयुयाश्रापविरुसंजननाथंला देकर्कस्निदगुस्कदास्वा॥म्कनाथंजतम्बुस्क४यनि
कीवेजदान॥वातूकया॥मयनवा॥श्न बीनयात्रम्वा॥मृतात्रमयानन्यनवस्पु॥पुदगुयस्वा
मस्यवन्वने॥संगृयवन्नु॥सतकजपूर्वस्पा॥उरुवस्यक्ष्मयरवनिकाया॥श्नवजमस्पा॥क॥मिकयामक्ष्मर्म॥

द्वनेश्वनयग॥कालनका लमूदकस्ल ञ्जनाम के॥ स्वनं॥मश्री ना भामूगीनरुर्भदकन तुवेरकुकोनूलकनवा।

द्वनेश्वनयग॥कालनका लमूदकस्ल ञ्जनाम के॥ स्वनं॥ सायददस्व॥ स्वने क॥मपाविघामीथमसदुवन॥

यष्चा मूयनिवद्वन॥ नानानश्चा ल्माभि प्रामको जलसंव ल्वँ कुड कादिगनीं॥रमू॥ श्रुवु लोवन्न स्तो

निणयकनगीत्वनाामूदक वा यान॥॥स न्यस्कनमा यो॥ यामुल्वप्रनिनालनसयुयुक॥॥पुल

वा॥मलिया प्रु॥ स्त्री पूमस्या॥॥ गृदिल्व॥मू ॥स्नानवद॥ स्यन॥साव न गस्या॥नवकुयवमसमा॥

नक स्यननिवदन॥ मस्राज ननिवदनं स्मा नाकुव॥ गसदवा स्मा हृ४॥स्थान कुं॥ ज्जु म्क स्त लोग

दृ षू मस्या संघ घमवरु वा॥ जवधा मवः

ॐस्य॥शि नल्व गर धीं मनस्या॥ संशीजनं स्थानं॥ ज्ञिय॥पूवृषस्याना॥उस्त घ्रा ह्रिंप्रवुयर्श्मानदः॥ ॥

यवदानवनेऽमज्ञिक॥ अन्यन॥ दग्रामांघिकंसंघर क्रायक्रीणमथनांमन्वन्त्रा॥ ऊस्येववंभविजयं॥ क्रीणीयानक्ष यसंघः
नब स्थ॥ पूबानांविक्रीयनिःश्रावकं यग॥ नम्
न्यंकृयान॥ नगृदीववंतानमृदस्तीखु॥ क्रु यग॥ गृद्विस्त्रक्री
यद्वं॥ अमस्थिमा वाजयजाद्भिभनद्यं॥ अकवध
यना॥ क्षयथू न्मग्रा॥ नन्तत्रयंयधायदह्य॥ नवनवकृ यान॥
संघनगादथंसघका मिकि हाघमस्यदान॥ ः
नपृश्वावृजदृश्चानमेघाथमृ घस्कन॥ क्रायविकानेऽमज्ञिक
॥ याजस्य॥ जनभिज्ञिमृस्या॥ निस्कस्थ स्वंपुवकं
यज्ञथमायांनियमन॥ अकातिक लंयाद्रगु क्राविकानं॥
सनमाधानस्य॥ निदयिवतनकृयाजकसंकस्य
॥ याद्रक्षनवघनेऽस्मंकश्चनाजितादृकृवीण॥ नयनिक्षन
स्यध्यंवमानी॥ नयजादस्कज्ञानयग॥ यावनयागमयराव॥ म्बिमेस्य॥ आवस्तंवन्वनगदसीग क्राम स्यायनिरागा॥ यवि
4

विजानात्काशिकमदृप्रिविनिर्भानानि॥ न्यन्तलमनघमत्व॥नेदस्य ष्कप्लृट नावकवर्लिकाष्ठापूनय
युद्धादिकृर्याक्रु॥ नानूयलिनाकमना॥यु घामेंघु ल्युनस्तव ४॥ ॥कतयविलमया॥कायम
त्रि४स्रूप्रिमच्छन्दर्तयानविदन्कम४या वर्भेहस्रषयल्वनिकाशि४युक्तमो॥ शिका१॥ पनस्य॥
उहनेयुवत्रियास्त्रस्तो॥प्रानिनि पार्थ्य॥ अनियामदुष्ठम॥ न्युयुदर्णेन्यायुपदुनमनामस्त ७२
स्युदानेदघाम॥नशिलोरम्यावृष्मान्य गुवा॥ ग्रदबन॥प्रसानावरवलो॥पदवी॥जूवपन
तो॥या आजिमसैघावशपयानूत्स् घा म स्वा॥ अमतत्रुभ्रवर्य्यन्नायमघमकसागवकैव
शनौपुनिक्लादन॥जूम्क्या वाडुस्या॥ पाग्द्धूग॥जूनोम्या॥म्बवह४॥जूवघुवशिक्कायन॥सतिच्यमूस्त

ष्टोविहन्याग्रुदीमाष्टगः॥उक्तन्दस्तुधीम ... मारु॥वान्यवृ॥ञादावमष्टगावदृष्टियात्र्याष्टमा॥दु ष्टणां॥मातंवज
निषलो॥सन्नमावम लवक्षराणः॥ वयानिः श्लोवि॥मलवेयां॥यनिवर्णनाग्रष्टाष्टर्नैतेना॥सघस्यानि
मगः॥वद लान्व लवश्रिदुणाममस्त्रा॥स्याक्ष लमनव्या॥दपद्यवक्षक॥प्रसवबस्वालेदानां॥वानना नः
क्षां॥सम्भमनना॥रुश्मस्यक॥निषमा॥मायां गैना॥बावनमसंघसामगोवलायां॥रूपदसाद्वसवनाउनहत ४२
याप्रवाबस्यामियुक्तादिःस्वपास्वका॥निश्चा प्राप्तिगृदीलासंघमध्यवावमानिणव्यामि॥जि॥सान्नियास
थमनूष्ठानी॥बावनायक्रमभूपनामनं॥१०० पिनदयत्ग्मवकयादिनघुलांयविलागादमंतवदाकोकात
गुदानेजि॥यथाग्रगं॥नृयात्रेसर्ग॥प्रायावनगृहीव स्यांकविमनष्टदानंद्वयावधिानाष्टवस्वां॥रुयाग्रनानाधि

वश्वानि॥मयाम्हस्नामयनभैरव शकाम्हुघुरुमि॥मयूर्ययागस्कुथानिर्मादनंभवनंवकूनंसकु०मस्नाकुउ
यतय॥ाय्यूयमगुय्यवाय्नांकानवं॥वुन्च माकायानुदकमाकेंम्ह॥काष्ठवयो०श्रयाकथल्लान्म्र्
दनानी॥ाउकयलाणकादन्यननामविद्वा द्विनास्मानं॥ानाम्यांनिकप्राणकधानावुदकादस्यपि
प्रुयालमआम्प्राणकायचाग०ाधवयद्गु यालं॥दस्कुपवाक्ष्यान्तुआरुकोमोाभवस्कुम्पाकार्यमा
णयधुजनथुख्यध्यापविरत्मंजननाथंला दकर्लकन्तिदगुस्कुदारवाआम्हनाथंजतम्बाम्ह०ाविं
कोवेजदान॥वानुकयाअमयनवा॥ध बीनयानस्वा॥म्हुलाञमयानन्चनम्हा॥न्तिदगुयक्वा
मय्यवन्वनं॥र्मगुयबन्कु॥मतकणपूर्वम्या॥उलनम्यभाव्हुधरवनिकाया॥ाधनणमम्हा॥कम्बिकयाम्हन्म॰

शय॰क्र स्क शुक्लयाश्चियाच्छिजा लिक्र त्वामूर्तीयि श्वसो निक्ष सनं॥ अप्रम्य लीयद्रिकया साठिकायाम्
मूाविकयाबानज्ञयाशनवानस्कद्धवः छिगनगीधयावज्ञा॥ उक्रयश्चयोविनिचागा॥ नद
वक्षनयमू॥ जूाशयप्रवश्चलिहूना॥ न सकृयूकानांस्कयनं॥ ॥ मूशिनगस्य॥ प्राह्वनन
नूशनां॥ शोकलवा॥ भावनघटिकाया॥ घुर्वावनानश्चथश्चनगं॥ शनेव वायनिश्रवजनाव
शनगं॥ भावनंपानिश्रवशस्यत्नपु नेकायनीखावुयाय॰॥ अवनंमतस्या॥ शाषगं॥ यो
ध्यानयगमध्यानी॥ घीडनस्यद्धयच्यस्मिः नूयुकनबु॥ निनवधालवुवुयायनुचपम्नताय
निश्रवजप्रवृदजप्रत्ययनपुवहलि॥ आसर्यादकाङ्कृदीभाययानयाष्ठयपद्भिनान्नहूलि॥ यादस्रवनि

यानिक्रम क्रोव्यापूनयमू॥ उयस्थापय न्यानीयान्वरा गु॥ रागु गमयकस्य गद्दमू ४ शाधिक व्यायान ४॥ नागुदा
नयदनेयानीन्कर्त्तवे ४॥ दानगृदिनेयाषि … गकव्वने॥ यदिगुकास्यगसख॥ नाननदानयमीनाविदा
नदायाव्वस्थनाक्रमा॥ नवस्थाश्रिङ्कदानिर्दः … यव्वन॥ रागुअथनयनस्थानियोजने॥ पृथक्कानम्हरा:
मुरागुिकयालिश्रय ४॥ उयस्थापयनेयानीय … स्य॥ नयगुकवनस्थायने॥ मगुपस्यगदथकनग॥ द:
क्रिगयश्रिभविदानस्यायार्थस्यान्हनग ४॥ … वानायनभाङ्कपूकास्कनदानादकुगमभाद्दवानकनग
कवाटकठकद नं॥ वगस्थवयद्रिश्रव … स्थपनाथकाद्दमङ्किकामस्थायने॥ दस्नकयिगुकायाँ
वा॥ स्राधनकव्रा॥ वोकयानीयरागुमायाबिमागिकाथनक्रयामू॥ तवि॥ यानियँवयँ॥ माकान्यिकवा:

श्रीविहस्याग्रदीमाहुरुक्तः॥उत्सन्नयाथा ॥रुवान्यथु॥आदाषमहस्रगादवृद्धियात्रुयाहस्तगा॥द्रुष्टागं॥मातंवर्ज
निघस्ता॥सन्नगावमलयक्षरंम॥वयानिः कावेः॥मलवेनाय निवर्णनाग्रष्ठाक्रनेनां॥सघसानि
संगः॥द्रुक्रस्यान॰यत्वेरिद्युमममस्ता॥स्याक्ष लमनुस्या॥पदेयुवक्रक॥प्रयवबस्यालदानं॥वानंननिः
स्त्रश्रा॥सम्भगन॥रुक्ष्मस्यवा॥नियमा॥दामायां गना॥नावनमधसा॥मतीवलाया॥रुपादमाद्रु॥स्वगाउनुतन ४२
यात्रवावबस्या॥नियुक्ता॥दि॥स्वयस्वका॥निद्रा ग्रा॥निगृदीत्वा॥संघमध्येवाव मनिगव्यमि॥॥सानियाया
थंमनुज्ञानी॥यावनापक्रमभूयनामनं॥ विनदयज्ञभवयाविमधुतयविलागाकममेसवदाकर्मासे
गृहनं॥ायथ्रागुर्गं॥नृयाग्रहर्षे॥प्राप्यावनंगृहीत्वा स्याक्र विमनद्रुदानंद्वयावधीनाकस्या॥द्रुव्याघता॥नाधि

अनिर्दतिभिर्युवुजि गस्याव तस्य॥ कायकायसंवद्धवा॥ खादनीयस्मोअनीयया॥ कस्यिकया॥ स्वस्यगस्यव॥
उस्मुस्कयायकाहूस्मूगनाछिववनाथगा॥ स्वयीदान॥ अकस्यिकयाद्वस्कुनी॥ दायन॥ सविस्तागव॥
अयलदानं॥ युजास्तिनक्लिसनादतना॥ थृगया॥ उस्मुछनाअदवीछमानामास्वरटवुतागने
गभजानयवाछि॥ अन्कनायायया गवग गांव॥ व्रुम्हिुगस्य॥ उपविवावाक्नमिछ्रु भरस्की॥ स
नादतन॥ विनागगत्रुनात्रिम्हिवद्धयय वियवनृद्धवास॥ अतिमिलंचयवक्राथि॥ सना॥
वासथायृद्धाअस्स नाकलुवा॥ अक्नायवग गगस्य॥ सभस्कवाम्कानी॥ सगछीकुगाना॥ मोतभो
तस्य॥ दृस्कुगस्यप्रयृकी॥ अमछीकुगानाम्रस्यद्राथि॥ दस्कुगस्यवा॥ स्युछिनृघथनेव्रस्कयदतनाथमृय

ष्टो विह्वन्यायुदी मा॥ह्न गः॥ ड्रक न्द्रत्रा श्री ... ॥मा॥रु वा न्यपू॥ आदा वमस्त्रगाव दृढ्डियात्रयाहृगा॥ दु स्ल नां॥ मार्तंवज
निष्य स्रौ॥ स्तन्न मावम त्वय क्र॥ मात्वयानिः क्षांवे॥ म स्त्ववेक्षा॥ या निवर्त नग्रष्ठा॥ रून्नैः ना॥ स घस्यनि
स्रगः॥ व्र दृ स्या न व लर्दशिवृगनमस्ता॥ स्याद्व लमन्व स्या॥ द दृष्टवक्र कां॥ ग्रयवव स्वा॥ लेदानां॥ वा ननानः
सु स्यां॥ मस्मभ न ना॥ रुग्व स्यर्का॥ विष्य मा हामाया॥ गेनानावनमंघसा॥ मगोवताया॥ रुवादमादुयनाडनत्तन ४२
यात्र वा व स्या॥ मियुक्षा॥ हि ४ स्वव स्वका॥ निखा ग्रा॥ हिगृदी वा सं घ म त्स्वाव मा॥ विग व्या मि॥ के॥ सान्निया य
थमनु स्रान॥ वा व ना प क्रमम पुय नामनं ॥ ८० पिन्दं वत्रम्भ संयातिम हुतंय॥ विस्तामदमंम वेदाको आत
गृहानं॥ त्रिायधत्रु हं॥ न्न ग्राणसर्षं॥ आयावनग्रृहीत स्या कविगव स्वपदानं द्वयावधी॥ नाखव स्या॥ स्वयाग्रमाना॥ धि

वंशानि॥ गर्थासुरूणमयनभैरव भकाश्चुवुरुणि॥ मबुयथागस्त घथानिर्माद नं श्रावनीव ॐ नृसिंह ४ म न्याभुड
यतय॥ सूर्यमगुयवागृ नांका नगी॥ वृन्ध माकायानुदक माकृंस्व॥ काष्ठद्रवयो ४ श्रयाकयिजर्म
दना नां॥ त्रकयता गकादन्यनमामविद्ध धिना स्नान॥ गंना म्यातिनिकृप्रा ञकधानावुदकादख्यपि
त्रुयी तम आसत्प्राण कायथाग ४ ध्यानयद्गु यागं॥ दन्कप्रवाक्ष्मा स्नानुआरुकी मोगवस्त्र म्या कार्य मा
गयधृजनद्य त्यश्रापविरुसंजननाथं ला दकलेकस्त्रियगुस्कदा ख्वा॥ स्कना थंजतस्वासरु ग ४ यानि
कुवंजादान॥ वानुक्या जमयनवा॥ ध्म बीनयाग्रस्यवा॥ प्रुताजमयानन्वनन स्या॥ पुदगुयक्षा
मस्यवन्वनं॥ संग्रयं वन्ध्रु॥ स्तजक गपूर्वस्या॥ डलनम्व फन्कृ धरवनिक या॥ ध्मनगमस्या॥ कम्बिकयामक्म मे ०

म नदा म म्ह स्त्य निश्चि अव तस्थय याय घाग ॥ अस्त्यप्रुग न्नं नव गं ॥ अन ग मस्या ॥ म्दद स्क स्सस्य वा ॥ कु ५ स्त्र यन ॥
दक्ष नाति पुक्ष दद क्व विवनं न नामदवी      वृ ॥ अथ कन्वा ॥ य विश्रअव गमूय स्क य यनु ॥ वक्षकध ॥
म्नक नर्फ भाव नयद जिबा ॥ ज्ञाल नायाक      स्थिकज नर्थाम स्नव काय य कुक नकृ शुि का स्वा श्रन गद
बा ॥ नानन विना ॥ जनयद बा ॥ निकाव दं      गा ॥ नमा स्क व ग मार्द ॥ कजप स्त्र जा ॥ युथय यश्क मयि
चा ॥ कार्यका ॥ न शक्ति वम स्कि वा ॥ न स्मा      लि लं द मत्र दा नखुजि ह्य नन्यन ॥ नेम ग्र नयद या नि
कार्या ॥ वि मृक्षी दा नं पु जिक्ष नसंग्रय नु ॥      ना ॥ विधा मकद न्द न म सत्र विशुवि का ॥ काग यक्षय ॥
स्य न बा ॥ नप्रुमी स्यगग स्यस्क नत्र बु वाया वाकामकु ॥ ॥ नेकनान क स्यग वेदद्धा मं प ालि नासुवा ॥

नाविद्या नकृत्वं शीघ्र भागस ४॥ज्ञा भमन्वग यू नास्या मनु अभान्तस्यदिन पुरयवक्षनं मन नयुन्नदि ४॥स न्मद २
शुद्ध ग्रा दका न्ह नन वाक न ४॥ना मस्य यथि म ४ प्र यवपि नवं॥ वक्षया गुद्ध त्वमृद का स्य गुद्धि ४॥
प्राञ्च नन॥ नि ६क स्य त्वयु यवक्ष जमनज स ४॥ यियक त्वं यट स्य॥ ना नि क्रिया संख्या मष चिन
नांद्र याग॥ थि र८ त्विक यामकने पा ह क्वानी दन्न नै ७ल ह्या॥ नै नापु ह्ग मक्रु र स्व न्या वि न
ग॥ना न्यान॥ माल दायट नै चग्र दीपक गृक नल्ल ना स्य ध्रुकादनी॥ य ॐ नवगविद नि का ना
गुरु व स्कु व ष्टि मष्यट ननवा गदा त्वा॥ भ क व्या आवाच्छ मि वा द घ न म्वा वाहदा वृद्धिग॥ नवान
पा हनस यदं धायाग॥ काल्क डा गार्दक्रु वाउ नुम स्वादननपथानि शु नि वद दम॥ अष्टि मा दज्ञा यद कृन:

ष्टोविहृत्यायदी मा ह्रगः । ङलत्पत्रा पी ॥ स्वारुद्वा न्यथु । आदा यम ह्रमा वहृद्धि या । प्रया ह्रमा । दु स्तु नौ ॥ मार्तवङ
नित्यर्ली । सन्न गावस्न [illegible] यथाति: क्षा वे । मत्वर्वेशा । य निवर्ल नत्र ष्टा यु नै ना । सघस्या नि
सूगः । [illegible] तेरि [illegible] ममला । यों [illegible] त्वमन्यमा । दि [illegible] खुस्वव ब स्वालेदानीं । वा नना नः
स्वा । सन्म मानना । [illegible] स्था । निथ मा घमा यी गौ ना यावे न स घ सा मतो व ला या ॥ श्याद मा दु स्व गौ ड नु तन ४२
वाश्रवा न स्वा । त्रियुक्षा । ति ४ स्वय स्वका निखा पा । त्रियु दी ला सीघ म [illegible] बाब मा । त्रि [illegible] मि । ता । सन्नि याया
थमनु स्तानी ॥ वा ब नाय क्रम मृष नाम नं ॥८० पृ नदं यत्र [illegible] यानि म गु लय [illegible] ता ग पा मं [illegible] दा [illegible] ना स
यशा नेति । य थग नां नि व्यात सर्व ॥ आया व न गृ ही न स्या [illegible] वि मन [illegible] दा नं [illegible] या वा वि वा [illegible] ॥ [illegible] या [illegible] ना ना । प्रि

अनिर्दिस्सिम्हयुवुजि नस्सावतस्स॥ कायवायसंवद्धवा॥ खादनीयसाजनीयया॥ कोण्डिककथा॥ रव्वस्सुनस्साव॥
उस्सुक्क्यायकाहुक्किगना॥ द्विवचनाथगा॥ स्सयंदान॥ अकोण्डिकथाद्धक्कनं॥ दायन॥ सविस्सागव॥
अवत्तदान॥ यूस्सास्सिनन्किसनादतना॥ थगया॥ उस्सुक्क्वाजदवीक्कमावामा रत्तटवुलागन
गभजानयदाक्कि॥ अन्कबाथायपानवग नांव॥ ब्रह्मिन्नस्स॥ उपविवावाक्कमिक्कभरट्ठको॥ स
नादतन॥ द्विनोगनजुवागिह्निवद्धयय वियवनूद्धवाभ॥ अन्तिमिलंचयवक्कायि॥ सना॥
वामस॥ यदाअस्सनाकस्सुवं॥ अन्कनायवग गनस्स॥ समस्कव्यस्कानां॥ मनक्कीक्कगानाय॥ भोतभो
तस्स॥ दुक्कनस्सपयक्की॥ अमक्कीक्कगानाम्मरयद्धायि॥ दक्कनस्सवास्सक्किनघथनंपुक्कयदतनाथमूय

नविधि॥ ॐ नमः॥ श्रीपतनृत्य नानृत्यनम दीक्षा नस्थान वीसि मात्रुकं सवानु यात्रुं स्वीका र्यान॥ स्वी कृत स्वस्थ नान्य वाय:
दिस्याग थ्य क्रिय क्र अव कय। विस्यान॥ द्विय मो विद्धा निक माय स भू नार्यथं मा लि मूक्ष वे इ स्य॥ श्र वजि ताय
वातनजम जाव नूया॥ थ्यग स्मू भाव ग त्वसा: दिनिका दक्षि॥ भव रक्षयुस्ठ पि व न्नां॥ न त्वम्य त्द क॥ अन:
क वाय॥ द्विनूसि नूदरुधा॥ थ्युव विनय वी द मातक्र धपुपि नय क मगा॥ जानवूय वग [illegible] सा कि॥
नाल क्वा वाया लिः॥ गुदि स्वयव थ्या ह्मनि स्व: मोनी॥ ङन्य लोव स्वः॥ अन क बव॥ यनं व न्नन वाथ्य वसाव॥ ४१
ग॥ श्रके स्वं दुयाग॥ थ्युपू ॐ ग च्वाथी॥ थ्याना मिकी याशक च्वथीः॥ स स्वनि या जा॥ वन्द कं द्विग स्माद्दाय॥ सान्दि
सयकाव मास दिवश सचस्ठ वी वाय ध्विवा॥ विक गरीरु ध्वन्तारा ना वाथ्याय यव॥ ङन वा नक दिन नस्मि पृय दयन॥ नूपि

यवसा न नेऽ स ञ्जिक ॥ म्ह न्य न ॥ द ष्ठा सांचिकं संघस्र का य क्री ष्ठस थ अन्यां म स्व ना ॥ ड स्थ वं वं मि दि ध्यवं ॥ क्री नीय ना कु यस घः
न ब स्कः ॥ पू बा नों वि क्रीय नि ःश्राम कंवम ॥ न न्तु न्यं कृ यान ॥ न गु दी व व व्सा न षू द स्यिपु ॥ कि पम ॥ गु द्वि अप्ता
यसं ॥ जू स न्ह्य मा वाजय ञ्जा ञ्जि म्ब न दयं ॥ म्ह्यू क वंघ पना ॥ श्रय्यु न्ह म श्रा व ल्व यय य य श्राय ह्व ॥ न वं न्य प क्रु या म ॥
सं च न न द थंस च्युका मि कि श्र घम स्य दां न ॥ ः न पु श्रा व छ्य वृ ष्या न स्थ धा थ मृ ष्व स्कन ॥ क्रा य द्वि वा नेऽ स ञ्जिक
॥ या त्र स्य ॥ ञ्ज न मि ञ्जि म स्या ॥ नि स्ह ष्ठ स्थ पु व श्री य श्रू थ मा यां नि य म न ॥ जू का ताक ल य य ट् गु क्रा खि का नी
न्ह न मा षा ने सा ॥ नि दां य क ल कृ या त्र का स्यि का स्य ॥ याज श्र न घ ने ऽ स ञ्जिक श्री नाजि ताज कृ वी ण ॥ न य नि क्वा व
स्य ध्वं व सा नी ॥ न य त्र द स्ह ज्ञा न य म ॥ या द न य न न म ष रा व ॥ न्हे म स्या ॥ जूा व ल र्वं न्वं न न द सी म म्ह म स्या य त्रि रा मा ॥ या बि

नविधि॥ अूनस्कः॥ श्रपसमूयस्कु वानूस्मन नमू शीकावस्यांनवीनिमासुकं मवानूयाप्तं स्वीकु यीन॥ म्वीकु मस्वस्वा नामवाय॥
नित्ताम॥ष्व हिस्याप॥ अवकायेनिराननपाह्वयमा ख्रिस्ठ निक मायसमू न्यायेवा॥ मनिमूक्कृवेइप॥ गखबिलाप॥
वासवक्र जाय नूया॥ अगर्हमू अवगलस्ता॥ दिनिकादक्कि॥ भवरसुरठपीन नूनांन्द नस्वमयाल्दक॥ अन॥
क्क नापि॥ क्विनूरिनुदसुदा॥ अपुव निमयावी दमातक्र घुपि नुयकमममा॥ जानकुय नजमनः॥ मामिक॥
गास्यक्र नापलि॥ गु॥ दि लयन म्याङ्गनि लु॥ मीनी॥ उन्य लीव स्व॥ अन॥ बव॥ यनेदन्नेनवाथवताव॥ ४९
न॥ उक लुयाग॥ पुपूऊ न न्याथी॥ स्वानामिकी पाशक स्वथाः॥ मस्वनिपा रा॥ वन्वकं ह्वि॥ गृ॥ नमा दाय॥ सा॥
सघकावमास दिवगसघस्कवी नायधिवा विकगसीगअनताराना नायायन॥ कन्वा नेन दिननमं पुयदयन॥ नूपि

नभानि॥भक्षाम्रुङ्क्षा भयनर्ञैरु सकाष्ठुयुरुगि॥भखृयया गस्रुघ थानिर्भादनंध्मवनंब ॐ नंसक ८ म स्रा ॐउ
यत्तय ८॥यूषमणुयवागृ नांका नर्ग॥वृन्व भाकायानृय कं माॐ स्या॥काष्ठव्रवया ८ श्रेयाक यं ॐ म र्श
दना नी॥प्रकय ता गकादन्यन नाम विद्ध दिना स्माने॥ना ना प्यागि निक प्रा गक धा ना वृदका दर्यापि
ध्रुया तुभभानिप्राण कायया ग ८ ध्मव यद्दणु या र्ग॥पद कृ प्रवक्ष स्ता॥गुअरु का मा॥भवस्क ष्या कार्य मा
गपथुजनथ्रुयश्रापविरुसंजन नाथं ता दक स्र्क कमिुदणुस्रुदा ख्वा॥स्कना थंज तस्वा स्रु ना ८ यावि
त्रावेजदान॥वातृक या अमयनवा॥ध्म वीनयाव्रस्वं वा॥मृ सात्र भयातन्य [illegible] या॥जिदणुयक्षा
मश्यवन्वनं॥संगृ ॐ बन्नु॥मत्रक ग पूर्वस्या॥उल नम्य पाङ्क युरवनिका या॥ध्मव ज मस्या॥ना म्यिकयामृक्ष र्भ ८

कापिका म-क्रा वापूनयगू॥ उयस्तयय न्यानीयान्यस्तागु॥स्तागु ग्सयकम्यगदगू॥ साधिक व्यायान॥ नागुदा
नगदनेया नोकर्त्तवे॥ यानगूदिनेयाथि मक ब्वनं॥ यदिगुकम्यगसव॥ नाननदानयमी नाचिदा
नदायाव म्यनाकृमा॥ नवम्यस्तिकुवनिर्दः यव्वन॥ स्तागु अथ नयन म्यानियोजनं॥ पूथका नमूस्ताः
मुस्तागुक यालि भय॥ उयस्तयनं यानीय म्य॥ नयगुकवनस्तायनं॥ मगुयम्यगद थंक नग॥ दः
क्रिभय थिम विदा वस्ययार्थस्यन्कु नग॥ वानायनमाक्रपूकाम्क नदानादकउम माकं वानकनग
कवाटकठकद नं॥ वगम्यव यविशुभव म्कुयनाथंकापूमद्रिकामस्कयनं॥ दम्ताकयिगुकायाँ
वा॥ आधानक पू॥ वोर्क यानीयस्तागुमा यानिम्यागिकाथनकू यांगू॥ गुवि॥ यानियँवयय॥ माकाियकवग॥

यवसानन्तेउमज्ञिक॥भ्रन्यन॥दस्रासांघिर्कर्संघस्य क्षयजीतमध्यनांमस्यन॥उश्येवर्स्वमविहायां॥क्षीसीयानक्रयसंघः
नवस्त॥पूमानोविक्रीयनिःश्वासकर्थन॥नमृ नांकूयीमा॥नगृतीयवर्तसानपृदस्तीयु॥कियन॥गृदिलाक्षा
यर्हा॥जूस्तम्यना॥वात्रयक्षा॥द्रिभ्रनर्हा॥ष्टुकवध यना॥क्षायू॥भ्रस्रा॥नत्नयर्यपक्षयद्दा॥नवन्त्वकक्रुयान॥
र्मचनगदर्थसघकाभिकिक्षा॥घमस्यदानी॥६ नपृश्राखृद्धदृत्रानर्मघाथमृघच्छन॥क्रायविक्रानेःश्मभ्रिक
॥यात्रस्य॥क्षनभिज्ञिनस्या॥निस्ठस्तस्वंपृवक्षं यक्षथमायांनियमन॥भ्रूक॥लाक॥र्त्वयाकृगुक्षा॥विकानी॥
त्वनमाघानस्या॥निर्वयिव॥त्नकृयात्रकासेकास्य ॥यात्रक्षनघनेःश्रभ्रिक॥श्नानाचिताद्रकृवीण॥नयनिक्षन
स्वध्यवसानी॥नयशादस्त्वजानयन॥॥यावमयानमयस्याव॥न्द्वमेस्या॥ज्ञावस्वर्दनवननमदलीगक्षमस्वायविरागा॥यनि